door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 300 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 31 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

इंडिया गठबंधन को मिलेगा पूर्ण बहुमत, घटक दल मिलकर करेंगे प्रधानमंत्री... पेज 2
लमडिंग-बदरपुर पहाड़ी लाइन पर भूस्खलन से रेल मार्ग बंद पेज 3
लोस चुनाव : योगी के गढ़ में भगवा रथ को रोक पाएगी इंडी गठबंधन पेज 5
पीवी सिंधू की जीत के साथ शुरूआत, डेनमार्क की होजमार्क को 44 मिनट... पेज 7

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

सुप्रभात

ईर्ष्या तथा अहंकार को दूर कर दो, संगठित होकर दूसरों के लिए कार्य करना सीखो।
– **स्वामी विवेकानंद**

सातवें और अंतिम चरण का प्रचार खत्म, मतदान कल

नई दिल्ली। देश में सातवें और आखिरी चरण का चुनाव प्रचार गुरुवार को खत्म हो गया। करीब 75 दिन चले चुनाव प्रचार का आज आखिरी दिन था। सातवें चरण में 8 राज्यों की 57 सीटों पर 1 जून को मतदान होगा। चार जून को चुनावों के नतीजे घोषित किए जाएंगे। बता दें कि 16 मार्च को चुनाव आयोग ने देश में लोकसभा चुनावों की तारीखों का एलान किया था। अब तक 6 चरणों का चुनाव हो चुका है। छह चरणों में 486 सीटों पर चुनाव हो चुका है। इन चुनावों में सातवें एवं अंतिम चरण में आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ सहित 57 संसदीय सीटों के लिए मतदान शनिवार को होगा। इसके साथ ही उसी दिन ओडिशा विधानसभा के चौथे और अंतिम चरण में 42 सीटों के लिए मतदान कराया जाएगा। नियमों के तहत इन सीटों पर सार्वजनिक प्रचार अभियान मतदान समाप्त होने के 48 घंटे पहले आज शाम छह बजे शाम छह बजे थम गया। प्रचार अभियान में भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन ने कांग्रेस और अन्य दलों के इंडिया समूह पर परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार को लेकर आक्रमण किया। विपक्ष ने भाजपा नीत सरकार पर चुनावी बांड में भ्रष्टाचार, धार्मिक विभाजन की राजनीति और विपक्षी नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसियों के इस्तेमाल के साथ-साथ संविधान को बदलने का मंसूबा रखने के आरोप लगाये। सातवें चरण के आम चुनाव के लिए सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी इंडिया समूह के स्टार प्रचारकों के अलावा उनके घटक दल के नेताओं ने अपने उम्मीदवारों के लिए सार्वजनिक सभाओं और रोड-शो आदि के माध्यम से जम कर प्रचार किया। निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के लिए चुनाव आयोग की व्यवस्था के अनुसार सार्वजनिक प्रचार अभियान मतदान की अवधि समाप्त होने के 48 घंटे पहले बंद कर दिया जाता है। इसके बाद प्रत्याशी और उनके समर्थक निजी स्तर पर संपर्क कर मतदाताओं का समर्थन जुटा सकते हैं। अंतिम चरण में आज चुनाव प्रचार थमने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के होशियापुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। मोदी ने कहा कि आजकल देश के लोग इंडिया समूह वालों से संविधान-संविधान की रट सुन रहे हैं। ये वे लोग हैं जिन्होंने आपातकाल (इमरजेंसी) में संविधान का गला घोंटा था। जब 84 के दंगों -शेष पृष्ठ दो पर

देश के लोगों के अटूट समर्थन के साथ आ रहा है मोदी 3.0 : सोनोवाल

गुवाहाटी (विभास)। भाजपा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में देश का व्यापक विकास किया है। मोदी 3.0 भारत के लोगों के अटूट समर्थन के साथ आ रहा है। इस लोकसभा चुनाव में एनडीए 400 सीटों का आंकड़ा पार करेगी और असम में 12 सीटें मिलना लगभग तय है। यह बातें केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता सर्वानंद सोनोवाल कही। असम प्रदेश के वशिष्ठ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय का दौरा किया और लोकसभा चुनाव के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सोनोवाल ने आज बैठक की। सोनोवाल ने कहा कि भाजपा सरकार का अब भारत को दुनिया की तीन आर्थिक महाशक्तियों में से एक बनाने का दृढ़ लक्ष्य है और हम माननीय प्रधान मंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

सीएए के तहत नागरिकता देने की प्रक्रिया शुरु : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को बंगाल, हरियाणा और उत्तराखंड में सीएए के तहत नागरिकता देना शुरू कर दिया। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि तीनों राज्यों के आवेदकों को बुधवार को संबंधित राज्य की अधिकार प्राप्त समिति द्वारा नागरिकता प्रदान की गई। नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 की -शेष पृष्ठ दो पर

डॉन छोटा राजन को उम्रकैद की सजा

मुंबई। मुंबई की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने डॉन छोटा राजन को उम्रकैद की सजा सुनाई है। मुंबई के जया शेट्टी हत्याकांड में छोटा राजन को सजा सुनाई गई है। साल 2001 में जया शेट्टी पर मुंबई के ग्रांट रोड पर छोटा राजन के गुर्गों ने फायरिंग की थी। जया शेट्टी से छोटा राजन ने फिरौती की मांग की थी, लेकिन उसे फिरौती नहीं दी गई। इसके बाद छोटा राजन ने जया शेट्टी पर फायरिंग करवाई। अक्तूबर 2015 में इंडोनेशिया में गिरफ्तारी के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-राजौरी मार्ग पर भीषण हादसा

यात्रियों से भरी बस खाई में गिरी 21 लोगों की मौत, 69 घायल

जम्मू। जम्मू राजौरी मार्ग पर एक भीषण हादसा हो गया। यहां अखनूर में एक बस खाई में गिर गई। इस हादसे में अब तक 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 69 लोग घायल हैं। घायलों को इलाज के लिए जम्मू मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया है। साफ है कि बस में क्षमता से अधिक सवारियां थीं और ओवरलोडिंग भी संतुलन बिगड़ने का कारण हो सकता है। घायलों को चौकी चौरा और अखनूर अस्पताल में भर्ती कराया गया। कई लोग जीएमसी जम्मू में स्थानांतरित किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना जिले के चौकी चोरा बेल्ट में तुंगी-मोड़ पर हुई। उन्होंने बताया कि बस करीब 150 फीट नीचे खाई के नीचे गिर गई। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार बस नंबर पी81सीटी-4058 हरियाणा के कुरुक्षेत्र से श्रद्धालुओं को लेकर जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के पौनी इलाके में शिव खोड़ी की ओर जा रही थी। इसी दौरान करीब साढ़े बारह बजे यह हादसा हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 69 घायल हो गए। यात्रियों ने बताया कि दुर्घटना उस समय हुई जब चालक एक तीखे मोड़ से गुजर रहा था और विपरीत दिशा से एक तेज रफ्तार कार आ रही थी। अखनूर अस्पताल में इलाज करा रहे घायलों में से एक अमर चंद ने बताया कि एक कार विपरीत दिशा से आ रही थी। चालक ने एक तीखे मोड़ से गुजरने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहा, जिसके परिणामस्वरूप वाहन खाई में जा गिरा। इस घटना में घायलों ने बताया कि वे शिव खोड़ी की तीर्थयात्रा के लिए आए थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (यातायात) फैसल कुरैशी, परिवहन आयुक्त सहित अन्य -शेष पृष्ठ दो पर

प्रसाद खाने से नाबालिग की मौत 70 से अधिक बच्चे अस्पताल में भर्ती

गुवाहाटी (एजे)। दक्षिण कामरूप के सानपाड़ा में एक दुखद घटना में छह वर्षीय क्रिस्टिलिना दास की प्रसाद खाने के बाद जहर के कारण मौत हो गई। कामरूप नेशनल स्कूल, मिर्जा में कक्षा 1 की छात्रा की गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जहर की घटना ने 70 से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया है, जिनमें से 40 से ज्यादा को शुरुआती तौर पर इलाज दिया गया है। बुधवार से अब तक 10 और लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तत्काल देखभाल के लिए एक जिला स्तरीय चिकित्सा दल को गांव में -शेष पृष्ठ दो पर

कामरूप मेट्रो समेत 11 जिलों में आंधी तूफान और बारिश का अलर्ट जारी

शिलांग में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश, रेड अलर्ट

गुवाहाटी/ शिलांग (एजे)। गुवाहाटी स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूर्वानुमान जारी करते हुए असम के कई जिलों में गरज के साथ छींटे पड़ने और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। यह चेतावनी अगले तीन घंटों तक प्रभावी रहेगी, जिससे मौसम संबंधी संभावित व्यवधानों पर प्रकाश डाला जाएगा। प्रभावित जिलों में बजाली, बाक्सा, बरपेटा, बंगाईगांव, चिरांग, दरंग, धुबड़ी, डीमा-हसाउ, ग्वालपाड़ा, कामरूप और कामरूप -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ ने मणिपुर में मचाई तबाही, तीन की मौत, हजारों प्रभावित, कई इलाके जलमग्न

इंफाल। मणिपुर की इंफाल घाटी में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि हजारों लोग प्रभावित हुए। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बुधवार को सेनापति जिले के थोंगलांग रोड पर भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 34 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि 83 वर्षीय एक महिला उफनती सेनापति नदी में डूब गई। उन्होंने बताया कि इंफाल में 75 वर्षीय एक व्यक्ति की बुधवार को बारिश के दौरान बिजली के खंभे के संपर्क में आने से करंट लगने से मौत हो गई। अधिकारी ने आगे जानकारी इंफाल नदी के उफनने से कई इलाके जलमग्न हो गए और इंफाल घाटी में सैकड़ों घरों में पानी घुस गया, जिसके परिणामस्वरूप लोगों ने पास के सामुदायिक भवनों में शरण ली। -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ : सीमावर्ती करीमगंज क्षेत्र में बीएसएफ की छह चौकियां डूबीं

करीमगंज (हि.स.)। तूफानी चक्रवात रेमल ने असम में भारी तबाही मचाई है। प्रदेश के करीमगंज जिलांतर्गत भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र में बाढ़ आ गई है। बराक घाटी की बराक, लोंगाई और कुशयारा नदियां पिछले दो दिनों से खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कुशियारा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। उत्तर करीमगंज के लक्ष्मीबाजार, लाफाशैल गांव के सैकड़ों परिवार पहले ही बांग्लादेश के पानी से बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। बीएसएफ की छह सीमा चौकियां डूब गईं। चराकुरी, जगन्नाथी और स्टीमरघाट चौकी के जवानों को पड़ोसी एलपी स्कूलों में -शेष पृष्ठ दो पर

असम सरकार
क्या कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी आपसे रिश्वत मांग रहा है ?
कृपया हमें सूचित करें
व्हाट्सएप नम्बर ▶ 60269 01243
टोल फ्री नम्बर ▶ 18003453767
नियंत्रण कक्ष ▶ 03612462295
एस. पी (I) ▶ 6026903481
एस. पी (II) ▶ 6026903483
एडिशनल एस. पी ▶ 6026903418
ईमेल ▶ complaints.vac@gmail.com
ट्विटर ▶ @DIR_VAC_ASSAM
सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम गुवाहाटी ७८१०३२
https://dgvigilance.assam.gov.in/
-- Janasanyog /D/ 1068 / 24/ 31-May-24

पंजाब में पीएम के आने से पहले हैलीपेड की तरफ छोड़ा नहर का पानी

चंडीगढ़ (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे के दौरान गुरुवार को शरारती तत्वों ने रैली स्थल से महज तीन किलोमीटर की दूरी से निकल रही नहर के गेट खोलकर पानी छोड़ दिया। इस वजह से आसपास के इलाकों में पानी जमा हो गया। तत्काल हरकत में आए प्रशासन ने हैलीपेड की तरफ जाने वाले रास्तों पर जेसीबी से गड्ढे करके पानी का बहाव मोड़ा। जिला उपायुक्त कोमल मित्तल ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी ने तोड़ा 2019 का रिकॉर्ड

दो सौ से अधिक रैलियों, रोड शो में हुए शामिल, 80 से ज्यादा इंटरव्यू भी दिए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 200 से अधिक रैलियों और रोड शो के साथ गुरुवार को पंजाब के होशियारपुर में चुनावी संबोधन के साथ लोकसभा चुनाव के लिए अपना अभियान समाप्त किया। प्रधानमंत्री अब 30 मई की शाम से 1 जून तक तमिलनाडु के कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल में लगभग दो दिन (45 घंटे) ध्यान करेंगे और स्वामी विवेकानंद से -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

इंडिया गठबंधन को मिलेगा पूर्ण बहुमत, घटक दल मिलकर करेंगे प्रधानमंत्री पर फैसला : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि देश की जनता चार जून को वैकल्पिक सरकार का जनादेश देगी और *इंडिया* गठबंधन पूर्ण बहुमत हासिल करते हुए देश को एक समावेशी और राष्ट्रवादी सरकार देगा। उन्होंने संवाददाताओं से यह भी कहा कि जीत के बाद इंडिया गठबंधन के घटक दलों से बातचीत के आधार पर प्रधानमंत्री का फैसला होगा। खड़गे ने कहा कि जनता ने विपक्ष एवं कांग्रेस की इस बात पर मुहर लगा दी है कि अगर मोदी सरकार फिर से आई, तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि इस चुनाव में भाजपा ने बांटने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने असली मुद्दों को चुना। खड़गे ने कहा कि हमें विश्वास है कि चार जून, 2024 को देश में जनता एक नई वैकल्पिक सरकार को जनादेश देगी। इंडिया गठबंधन पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम सभी मिलकर संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) की तर्ज पर इस देश को एक समावेशी, राष्ट्रवादी और विकासोन्मुखी सरकार देंगे और सभी को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। लोकसभा चुनाव के नतीजे चार जून को घोषित होंगे। यह पूछे जाने पर कि विपक्षी गठबंधन की जीत की स्थिति में प्रधानमंत्री का फैसला कब तक होगा, तो उन्होंने कहा कि हम सबको बुलाएंगे, सबकी राय लेंगे। गठबंधन के लोग जो कहेंगे, उसके आधार पर प्रधानमंत्री के बारे में तय करेंगे। खड़गे ने *दलित प्रधानमंत्री* से जुड़े सवाल पर कहा कि मैंने कभी भी यह नहीं कहा कि मैं दलित हूं, इसलिए दो। सबकुछ पार्टी ने दिया है। सोनिया गांधी जी की देन है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष बनाया और एआईसीसी (अध्यक्ष) भी बनाया। हमारी पार्टी में जो भी निर्णय लिया जाता है, उसी के हिसाब से काम करेंगे। ऐसा नहीं है कि सिर्फ दलित हूं, इसलिए मांगने वाला हूं। अब तक भी नहीं मांगा। खड़गे ने महात्मा गांधी के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा और कहा कि या तो प्रधानमंत्री अनजान हैं या फिर उन्होंने पढ़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि सारी दुनिया महात्मा गांधी को जानती है। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के सामने उनकी प्रतिमा लगी है। दुनिया के बहुत सारे देशों में महात्मा गांधी की प्रतिमाएं स्थापित हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि महात्मा गांधी, उनके काम के बारे में पता नहीं है, तो शायद संविधान के बारे में भी पता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि चार जून के बाद खाली समय में प्रधानमंत्री को महात्मा गांधी की जीवनी *माई एक्सपेरीमेंट्स विथ ट्रूथ* पढ़नी चाहिए। खड़गे ने कहा कि महात्मा गांधी जी अहिंसा में विश्वास करते थे, उन्होंने कभी किसी से नफरत नहीं की। लेकिन नरेंद्र मोदी सिर्फ नफरत की बातें करते हैं, उनकी हर बात में नफरत झलकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा था कि रिचर्ड एटनबरो की 1982 में आई फिल्म *गांधी* के बनने तक दुनिया को महात्मा गांधी के बारे में ज्यादा पता नहीं था। खड़गे ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने पिछले 15 दिनों में अपनी जनसभाओं में 232 बार कांग्रेस का नाम लिया, 758 बार अपना नाम लिया, 573 बार *इंडिया* गठबंधन और विपक्ष का नाम लिया, लेकिन बेरोजगारी के बारे में एक बार भी बात नहीं की। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान 421 बार मंदिर-मस्जिद और समाज को बांटने की बात की।

वन नेशन वन इलेक्शन व्यवस्था लागू करेगी भाजपा सरकार : राजनाथ सिंह

कुशीनगर (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के अतिम चरण में चुनाव प्रचार के अतिम दिन गुरुवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि केंद्र में बनने वाली भाजपा सरकार इस बार वन नेशन वन इलेक्शन की व्यवस्था करने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि कितना अच्छा होता कि पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक-साथ सम्पन्न हो जाता। भारतीय जनता पार्टी अगले पांच वर्षों में वन नेशन वन इलेक्शन व्यवस्था लागू कर देगी। वह कुशीनगर लोकसभा के रामकोला में प्रत्याशी विजय कुमार दूबे के पक्ष में जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि विगत दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ा है। पहले विदेशों में जब भारत के नेता बोलते थे तब कोई ध्यान नहीं देता था। लेकिन आज का भारत जब अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर बोलता है तो सारी दुनिया कान लगाकर सुनती है कि भारत बोल क्या रहा है। यह बदलते भारत की नई तस्वीर है। श्री सिंह ने कहा कि जो काम पिछली किसी सरकारों नहीं किया वो नरेंद्र मोदी ने मात्र 10 वर्षों में कर दिया। पाकिस्तानी सांसद फजलुर्रहमान ने पाकिस्तानी संसद में स्वीकार कर लिया है कि भारत विश्व गुरु बन रहा है और पाकिस्तान अपनी बर्बादियों को बचाने के दर दर हाथ फैला रहा है। लेकिन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को यह समझ में नहीं आ रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था के मामले में 2014 से पहले भारत विश्व में 11 वें स्थान पर था मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था बना है। आज विश्व के बड़े बड़े अर्थशास्त्री कह रहे हैं कि आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। राजनाथ सिंह ने दावा किया कि 2027 तक अमेरिका और चीन के बाद भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होगा तथा 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बन जाएगा। और 2070 भारत दुनिया के सबसे अमीर देश बन जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि पहले पूरे देश में जगह-जगह आए दिन आतंकी हमले हुआ करते थे। लेकिन अब आतंकी हमले लगभग समाप्त हो गए हैं। क्योंकि अब दुश्मन देश भी समझ गया है कि आज का भारत कमजोर नहीं है। अब भारत सीमा पर पलटवार भी करता है और जरूरत पड़ने पर सीमा पार भी वार करने से नहीं झिझकता है। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी कुछ ही दिनों में समाप्त हो जाएगी और कांग्रेस की हालत इतनी पतली है कि जैसे डायनासोर धरती से विलुप्त हो गया वैसे ही कांग्रेस भी विलुप्त होने वाली है। कहा कि ये लोग (विपक्षी दल) झूठ बोल कर जनता को गुमराह करते हैं जबकि भाजपा जनता की आंखों में आंखें डालकर राजनीति करती है। भारतीय जनता पार्टी अकेली ऐसी पार्टी है जो कहती है वो करती है।

विष्णुपुर में हथियार के साथ एक गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने विष्णुपुर जिले से हथियार के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। मणिपुर पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों ने अवैध हथियार और गोला-बारूद रखने के आरोप में बिष्णुपुर जिले के क्वाकता तेराखोंगशांगबी से लैशराम रबी सिंह (33) नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से एक एम-16 राइफल, एक 9 एमएम पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

गहपुर में मतगणना की जोरदार तैयारियां

शोणितपुर (हिंस)। चार जून को होने वाली मतगणना के लिए राज्य भर में तैयारियां चल रही हैं। इसी कड़ी में शोणितपुर लोकसभा क्षेत्र के गहपुर में भी मतगणना के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। तीन लाख से अधिक मतदाताओं वाले गहपुर में एक मतगणना हॉल में 14 टेबल लगाए जाएंगे। वोटों की गिनती 14 राउंड में होगी।

अरुणाचल बॉर्डर पर सैन्य सुविधाओं का नेटवर्क बढ़ा रहा चीन : सीएसआईएस

वाशिंगटन। वाशिंगटन थिंक टैंक सेंटर फॉर इंटरनेशनल एंड एस्थतिस्टिक स्टडीज ने एक सनसनीखेज खुलासा किया है। सीएसआईएस के मुताबिक हिंदुस्तान के साथ लगते बॉर्डर के करीब चीन दोहरे इस्तेमाल वाले गांव बना रहा है। यही नहीं सैंकड़ो की संख्या में इन गांवों का विस्तार तेजी से करने के साथ सैन्य सुविधाओं का नेटवर्क भी बड़ा रहा है। सेंट्रल हब ने इससे जुड़ी एक सेटेलाइट तस्वीर भी जारी की है। जिसमें नजर आ रहा है कि 2022 से 2024 के बीच चीन ने एक निर्जन और पहाड़ी इलाके को गांव में तब्दील कर दिया। सीएसआईएस की रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने अरुणाचल प्रदेश के पास चार अलग-अलग जगहों पर सैन्य और दोहरे इस्तेमाल वाले गांव के बुनियादी ढांचे तैयार कर लिए हैं। दांवों की माने तो चीन ने भारत से लगती सीमा के पास चार साल में 624 गांव बना लिए हैं। जुआंगनान, माजिदुनकुन और कुईकियोंगमेन में सैन्य फैसिलिटी भी तैयार कर रहा है। चीन तिब्बती और हर आबादी को मिलाकर सीमाई इलाकों में डेमोग्राफी को बदलने की कोशिश कर रहा है। सीमा पर गांवों का निर्माण ग्रे जॉन रणनीति के तहत चीन की तरफ से किया जा रहा है। कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि इन गांव में गुप्त रूप से बस्तियों में सैनिक भी तैनात किए जा सकते हैं। भारत में पूर्वी लद्दाख में एलएसी के पास दुनिया का सबसे ऊंचा टैंक सर्विस स्टेशन स्थापित किया है। यहां 500 से अधिक लड़ाकू वाहनों को तैनात किया है। जिससे इसके संचालन में सहायता मिल सकेगी।

ड्रग्स के साथ महिला समेत दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की विशेष शाखा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की एक टीम ने ड्रग्स के साथ एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार की शाम को राजधानी के खानापाड़ा इलाके में ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाया गया। एसटीएफ की टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर यह अभियान चलाया। यह अभियान खानापाड़ा के नवनिर्मित आईएसबीटी परिसर में चलाया गया। छापेमारी में नशीले पदार्थों से भरे करीब 63 कंटेनर जब्त किए गए। नकद 1500 रुपए के साथ दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। एक ड्रग्स तस्कर के साथ-साथ एक महिला भी थी। गिरफ्तार तस्कर की पहचान भास्कर बोरा के के रूप में की गई है। एसटीएफ को शक है कि वह लंबे समय से ड्रग्स का कारोबार कर रहा है।

भारत को 2047 में विकसित राष्ट्र बनाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका किसान की होगी : उपराष्ट्रपति

देहरादून (हि.स.)। उत्तराखंड दौरे पर आए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर का दौरा किया और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के साथ संवाद किया। राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में कृषि और किसानों के महत्व को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत को 2047 में विकसित राष्ट्र बनाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका किसान की होगी। उपराष्ट्रपति ने किसानों को कृषि उत्पादों के व्यवसाय और उनसे जुड़े उद्योगों में भागीदार बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि उत्पादों की मार्केटिंग और उनके मूल्य संवर्धन में शामिल होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को किसानों में उच्च मूल्यवाली उपज और नई तकनीकों के उपयोग के प्रति जागरूकता बड़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। उपराष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की ओर से निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। विश्वविद्यालय की प्रारंभ से वर्तमान तक की यात्रा को दर्शाते *पंतनगर संग्रहालय* का भी निरीक्षण किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ संग विश्वविद्यालय परिसर में सफेद चंदन का पौधा लगाया। गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय देश का प्रथम कृषि विश्वविद्यालय है जिसकी स्थापना वर्ष 1960 में हुई थी। हरित क्रांति में इस विश्वविद्यालय ने अहम भूमिका निभाई है। इस दौरान उत्तराखंड के राज्यपाल ले. जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह, विश्वविद्यालय के शिक्षक, विभिन्न विभागों के डीन, निदेशक एवं अन्य संकाय सदस्य थे।

ऑनलाइन जुआ ऐप चलाने के आरोप में असम पुलिस महिला कमांडो बर्खास्त

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की बिरांगना कमांडो फोर्स की एक जवान कथित तौर पर ऑनलाइन जुआ ऐप खोलने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। राज्य के गृह विभाग ने यह निर्णय एक जनहित याचिका के मद्देनजर लिया है। असम पुलिस की बिरांगना कमांडो फोर्स की जवान पापड़ी कलिता उर्फ कुन्ही पर यूट्यूब चैनल के माध्यम से ऑनलाइन जुआ ऐप का विज्ञापन करने का आरोप लगा है। इस ऐप से कुन्ही सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हो गईं। इस मामले को लेकर कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। इसके बाद राज्य के गृह विभाग ने एक पुलिसकर्मी के रूप में जुआ ऐप को बढ़ावा देने के आरोप में पापड़ी कलिता को बर्खास्त कर दिया है।

पृष्ठ एक का शेष

सातवें और अंतिम...

में सिखों के गले में टायर बांधकर जलाया जा रहा था, तो इन्हें संविधान की नहीं सूझी। इस बीच, प्रधानमंत्री आज शाम को कन्याकुमारी जाएंगे और वह कन्याकुमारी के प्रसिद्ध विवेकानंद रॉक मेमोरियल में दो दिन (48 घंटे) ध्यान लगायेंगे। उनके प्रवास के लिए सुरक्षा के भारी इंतजाम किये गए हैं। सातवें चरण में 57 लोकसभा सीटों पर 904 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इस चरण में केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ की एक सीट के लिए मतदान कराया जाएगा। इसके अलावा ओडिशा विधानसभा की कुल 147 सीटों के चुनाव के अंतिम चरण में 42 सीटों पर मुकाबला सत्तारूढ बीजू जनता दल (बीजद), भाजपा और कांग्रेस के बीच है। राज्य विधानसभा के चुनाव के पहले, दूसरे और तीसरे चरण में 13 मई को 28 और 20 मई को 35 और 25 मई को 42 सीटों पर वोट डाले गए थे। सातवें एवं अंतिम चरण में उत्तर प्रदेश की 13 सीटों पर 144, पंजाब की 13 सीटों पर 328, पश्चिम बंगाल की नौ सीटों के लिए 124, बिहार की आठ सीटों पर 134, ओडिशा की छह सीटों पर 66, हिमाचल प्रदेश की चार सीटों पर 37, झारखंड की तीन सीटों पर 52 और केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ की एक सीट पर 19 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। सात चरणों में कराए जा रहे लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान एक जून को होगा। नतीजे चार जून को आएंगे। उत्तर प्रदेश की जिन 13 सीटों पर एक जून को मतदान होगा, उनके नाम महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, रॉबर्ट्सगंज हैं। अंतिम चरण में बिहार के जिन सीटों पर मतदान होगा उनमें नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट, जहानाबाद है। पर्वतीय राज्य हिमाचल प्रदेश में एकल चरण में मतदान हो रहा है। राज्य की जिन चार सीटों पर मतदान होगा उनमें कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर, शिमला शामिल है। ओडिशा की छह संसदीय सीटों के नाम मयूरभंज, बालासोर जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, भद्रक हैं, जिन पर अंतिम चरण में मतदान होगा। पंजाब की जिन 13 संसदीय सीटों पर मतदान होगा, उनमें गुरदासपुर, अमृतसर, खडूर साहिब, जालंधर (सुरक्षित), होशियारपुर (सुरक्षित), आनंदपुर साहिब, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब (सुरक्षित), फरीदकोट (सुरक्षित), फिरोजपुर, बठिंडा, संगरूर, पटियाला सीट शामिल है। पश्चिम बंगाल की नौ संसदीय सीटों में दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर शामिल है। इसके अलावा झारखंड के राजमहल, दुमका, गोड्डा तथा केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ की सीट पर भी एक जून को मतदान होगा। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में एक जून को मतदान होना है। इस चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत, अनुराग ठाकुर, रवि किशन, रवि शंकर प्रसाद, संजय टंडन, कांग्रेस के अखिलेश प्रताप सिंह, अजय राय, तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और भोजपुरी कलाकार पवन सिंह समेत कई केंद्रीय मंत्रियों की किस्मत का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में बंद होगा। इस चरण के चुनाव के लिए 57 सीटों के लिए कुल 2105 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया था। नामांकन पत्रों की जांच के बाद 954 और नामांकन पत्र वापस लेने के बाद चुनावी मैदान में 904 उम्मीदवार शेष रह गए हैं। लोक सभा की कुल 543 सीटों में से 486 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया खत्म हो चुकी है। पहले चरण में 102 सीटों 66.14 प्रतिशत, दूसरे चरण में 88 सीटों पर 66.71, तीसरे चरण में 93 सीटों पर 65.68, चौथे में 96 सीटों पर 67.71 प्रतिशत, पांचवें में 49 सीटों 62.20 प्रतिशत और छठे चरण में 58 संसदीय सीटों पर 63.37 प्रतिशत मतदान हुआ है। सातवें एवं अंतिम चरण में एक जून को मतदान कराए जाएंगे। चुनाव परिणाम चार जून को आएंगे। इससे पिछले लोकसभा चुनाव में सातवें चरण में 57 सीटों पर कुल 65.29 प्रतिशत वोट पड़े थे। पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा 78.80 प्रतिशत मतदान हुआ था। बिहार में सबसे कम 51.37 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था।

प्रसाद खाने से ...

भेजा गया है। प्रसाद खाने के बाद कई लोग बीमार पड़ गए, जिसके बाद स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की। स्थिति गंभीर बनी हुई है, क्योंकि प्रभावित व्यक्तियों के उपचार और निगरानी के प्रयास जारी हैं। आगे की घटनाओं को रोकने के लिए विषाक्तता के कारणों की जांच की जा रही है।

देश के लोगों के ...

नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत इस संबंध में एक मजबूत भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि मोदी लहर ने हाल के वर्षों में असम को पुनर्जीवित कर दिया है और असम और पूर्वोत्तर का विकास एक नए शिखर पर पहुंच गया है। भाजपा का असम के लोगों के पूर्ण समर्थन के साथ एक अनूठा गठबंधन है। माननीय नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधान मंत्री के रूप में शपथ लेने के कगार पर हैं, जो एक मजबूत के प्रति *मोदी की गारंटी* का एक उदाहरण है। समृद्ध और मजबूत भारत माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में, हमारा देश, जो पहले से ही दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, मोदी ने दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में प्रवेश किया है। हमारी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में भारत में विकास की रूपरेखा बदल दी है, जिसके लिए सभी स्तरों पर लोगों का विश्वास मोदी सरकार में बना हुआ है। आइए हम सब मिलकर एक विकसित देश का निर्माण करें। भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य हासिल करना है, जैसा कि नरेंद्र मोदी ने कल्पना की है। सभी क्षेत्रों के लोगों ने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के प्रति उनके अटूट सहयोग, समर्थन और प्रतिक्रिया के लिए आभार व्यक्त किया और पिछले अवधि के दौरान पार्टी की कड़ी मेहनत, समर्पित सेवा और संगठनात्मक मजबूती के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष की चुनावी गतिविधियां जनहित के खिलाफ रही हैं। अपनी गतिविधियों के कारण उन्होंने लोगों का समर्थन खो दिया है। अब एक ऐसी खबर है, जिस पर लोग ध्यान नहीं देते। ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से आपको ये उत्पाद नहीं खरीदने चाहिए। लोगों ने शांति, समृद्धि और प्रगति के लिए पूरे दिल से भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का समर्थन किया है। आज के इस कार्यक्रम में भाजपा के असम प्रदेश अध्यक्ष भावेश कलिता, राज्यसभा सांसद पवित्र मार्गेरिटा, राज्य महासचिव दिप्लू रंजन शर्मा और पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता आज उपस्थित थे।

यात्रियों से भरी ...

अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और अभियान की निगरानी की। एसएसपी और जम्मू के डिप्टी कमिश्नर ने घायलों के बारे में जानकारी लेने के लिए जीएमसी अस्पताल का दौरा किया। वाहन तीर्थयात्रियों को हरियाणा के कुरुक्षेत्र क्षेत्र से जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के शिव खोड़ी क्षेत्र में ले जा रहा था। इससे पहले अधिकारियों ने कहा था कि हादसा राजौरी जिले में हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और स्थानीय लोगों के साथ बचाव अभियान शुरू किया गया है। साथ ही घायलों को अखनूर अस्पताल और जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कर दिया गया है। एलजी ने इस दुखद दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया है। शोक संदेश में सिन्हा ने कहा कि अखनूर में बस दुर्घटना हृदय विदारक है। मैं लोगों की मौत पर शोक व्यक्त करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रशासन शोक संतप्त परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है और घायलों को चिकित्सा सुविधाएं भी प्रदान कर रहा है।

कामरूप मेट्रो समेत...

मेट्रोपॉलिटन शामिल हैं। इन क्षेत्रों के निवासियों को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने तथा संभावित मौसम संबंधी चुनौतियों के लिए तैयार रहने की सलाह दी गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने जनहित में यह अलर्ट जारी किया है, तथा लोगों से घर के अंदर रहने और खुले क्षेत्रों में जाने से बचने का आग्रह किया है, जहां वे बिजली गिरने के जोखिम में हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ढीली वस्तुओं को सुरक्षित रखने और विद्युत उपकरणों की सुरक्षा के लिए सावधानी बरती जानी चाहिए। उधर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को मेघालय में अगले पांच दिनों में भारी बारिश, आंधी और आकाशीय बिजली गिरने को लेकर *रेड अलर्ट* जारी किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चक्रवात रेमल के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून ने गुरुवार को केरल के तटीय इलाकों और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में दस्तक दी, जो मौसम विभाग के पूर्वानुमान से एक दिन पहले था। आईएमडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून आज मेघालय सहित पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्सों में पहुंच गया। पिछले कुछ दिनों में चक्रवात ने हिमालयी राज्य में तबाही मचाई, जिसके परिणामस्वरूप एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि 271 गांवों में करीब 5,619 लोग प्रभावित हुए हैं। राजस्व और आपदा मंत्री किरमेन शायला ने कहा कि चक्रवात के बाद पिछले दो दिनों में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण 910 घर क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने बताया कि तत्काल राहत के लिए कुल 19.85 करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं।

बाढ़ ने मणिपुर में ...

उन्होंने बताया कि नंबुल नदी में उफान के कारण खुमान लैंपक, नगरम, सगोलबंद, उरीपोक, कीसमथोंग और पाओना क्षेत्रों सहित इंफाल पश्चिम जिले के कम से कम 86 इलाकों में बाढ़ की सूचना मिली है। लगातार बारिश के कारण, इंफाल नदी का तट इंफाल पूर्वी जिले के केइरंग, खाबम और लैरीयेंगबाम लीकाई इलाकों के पास टूट गया है और कई इलाकों में पानी घुस गया है, जिससे सैकड़ों घर डूब गए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि इंफाल पूर्वी जिले के हिंगांग और खुरई विधानसभा क्षेत्रों के कई इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, कई हिस्सों में बाढ़ का पानी छाती के स्तर तक पहुंच गया है। अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की एक टीम बचाव अभियान में जुटी है। बाढ़ पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि कई क्षेत्रों में नदी के किनारों में दरार के कारण कई लोग और पशुधन प्रभावित हुए हैं। राज्य सरकार के अधिकारी, सुरक्षा और एनडीआरएफ कर्मी और स्थानीय स्वयंसेवकों सहित सभी संबंधित अधिकारी सहायता प्रदान करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस बीच, इंफाल और सिलचर को जोड़ने वाला एनएच 37 पर इरंग बेली पुल नोनी जिले के ताओबाम गांव में ढह गया, जिससे सड़क संचार बाधित हो गया। इंफाल पूर्वी जिले के एसपी कार्यालय ने एक बयान में कहा कि पिछले कुछ दिनों के दौरान लगातार बारिश के कारण कई जगहें जलमग्न हो गई हैं। पुलिस विभाग अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर फंसे हुए लोगों को बचाने में मदद कर रहा है। जनता से अपील की जाती है कि वे बड़ी संख्या में बाहर आकर और जगह पर भीड़ लगाकर बचाव कार्यों में बाधा न डालें।

बाढ़ : सीमावर्ती करीमगंज...

स्थानांतरित कर दिया गया है। कुरिखला संदेश चांदश्रीकोना चौकी पानी में डूब गई। सीमा पर हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। भारत-बांग्लादेश सीमा को परिभाषित करने वाली कुशियारा नदी के तट पर करीमगंज शहर में बिसर्जन घाट की हालत खराब है। प्रशासन ने जियो बैग से पानी रोकने की व्यवस्था की है। सीमा पर बीएसएफ की गश्त बढ़ा दी गई है। कुशियारा नदी वर्तमान में खतरे के निशान से लगभग दो मीटर ऊपर बह रही है। हालांकि, बीएसएफ के जवान सीमा की चौकसी में कोई कोताही नहीं बरत रहे हैं। देश की रक्षा के लिए जवान घुटनों तक पानी में खड़े होकर पहरा दे रहे हैं। बीएसएफ रेत की बोरियां लेकर पानी का बहाव रोकने के लिए जमीन पर पहुंच गई है। गौरतलब है कि हर साल बाढ़ से बीएसएफ बीओपी को काफी नुकसान होता है।

पंजाब में पीएम ...

पंजाब दौरे पर थे। रैली स्थल से तीन किलोमीटर दूर बस्सी गुलाम हुसैन कंडी कनाल नहर निकलती है। नहर के नजदीक ही पीएम के हेलीकॉप्टर को उतारने के लिए हैलीपैड बनाया गया था। प्रधानमंत्री के आने से कुछ देर पहले किसी ने नहर का फाटक (गेट वॉल्व) खोल दिया। इस वजह से नहर का पानी तेज गति से निकलने लगा और आसपास के इलाकों में सड़क पर भी पानी आ गया। प्रशासन के अधिकारियों ने स्थिति को संभालते हुए आनन-फानन में पानी का बहाव रोकने के लिए जेसीबी से गड्ढे खुदवाए, जिससे पानी हैलीपेड तक नहीं जा सका। भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री तीक्ष्ण सूद ने कहा है कि उन्हें किसी कार्यकर्ता से इस बारे में सूचना मिली। उस समय पानी रैली स्थल की तरफ बढ़ रहा था और करीब दो किलोमीटर का फासला था। सूचना मिलने पर उन्होंने तुरंत जिला उपायुक्त कोमल मित्तल को सूचित किया। होशियारपुर की जिला उपायुक्त कोमल मित्तल ने कहा कि उन्होंने नहरी विभाग से रिपोर्ट तलब कर ली है। यह बेहद संवेदनशील मामला है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले पंजाब में 5 जनवरी, 2022 को प्रधानमंत्री मोदी फिरोजपुर में रैली के लिए आ रहे थे। उस समय जब उनका काफिला फिरोजपुर के प्यारेआणा गांव तक पहुंचा तो उससे पहले ही किसानों ने सड़क जाम कर दी। करीब 15 मिनट तक पीएम का काफिला इसी फ्लाईओवर पर रुका रहा।

दो सौ से अधिक...

जुड़े स्थल पर आध्यात्मिक खोज में संलग्न रहेंगे। चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा 16 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद से, 2024 में 400 से अधिक सीटों के लक्ष्य और अपनी पार्टी की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए, मोदी ने रैलियों और रोड शो सहित कुल 206 सार्वजनिक-पहुंच कार्यक्रम आयोजित किए। प्रधान मंत्री ने 2019 के चुनावों के दौरान स्टंप पर अपनी लगभग 145 सार्वजनिक व्यस्तताओं को बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया। इस बार प्रचार की अवधि 76 दिन की थी, जबकि पांच साल पहले चुनाव में यह 68 दिन थी। जब चुनाव आयोग ने चुनावों की घोषणा की, तो मोदी 15 मार्च से 17 मार्च के बीच तीन दिनों में सभी पांच राज्यों को कवर करते हुए दक्षिणी भारत के राजनीतिक दौरे पर थे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश में अपनी किस्मत चमकाने की कोशिश कर रही है - तीन राज्य जहां उसने 2019 में कोई सीट नहीं जीती थी - और कर्नाटक में अपनी ताकत बनाए रखने और तेलंगाना में अपनी सीटें बढ़ाने की कोशिश कर रही है। उनके अभियान की सफलता की सीमा 4 जून को ही पता चलेगी, जब चुनाव परिणाम घोषित होने वाले हैं। 73 साल की उम्र में, मोदी न केवल रैलियों की संख्या और उनके द्वारा तय की गई दूरी के मामले में किसी भी अन्य नेता से आगे थे लेकिन वह अपनी पार्टी के लिए सबसे बड़ा वोट चुंबक बने रहे, जिनकी टिप्पणियों को आलोचकों ने नकार दिया और भाजपा के उत्साही समर्थकों ने इसे हाथों-हाथ लिया, जिससे चुनाव की कहानी तय हो गई। प्रधानमंत्री ने चुनाव शुरू होने के बाद से प्रतिदिन औसतन एक से अधिक, क

सिलचर-हांगलंग सड़क संपर्क टूटा

डिमा हसाओ (हिंस)। सिलचर-हांगलंग सड़क बंद हो जाने के कारण सिलचर और डिमा हसाओ जिले के बीच का सड़क संपर्क टूट गया है। चक्रवाती तूफान रेमल के प्रभाव से राज्य के विभिन्न हिस्सों में चार दिनों से भारी बारिश हो रही है। सड़क पर व्यापक पैमाने पर भूस्खलन होने के कारण डिमा हसाओ जिले और सिलचर के बीच यातायात मंगलवार से अवरुद्ध हो गया है। इसे चालू करने के लिए व्यापक पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। 2022 की तरह, हरांगाजाओ में भारी बारिश के कारण बराक घाटी के लिए रेल और सड़क संपर्क इन दिनों निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि जिला प्रशासन ने आपदा प्रबंधन विभाग की पूर्व चेतावनी के बावजूद समय पर कदम नहीं उठाए। अभी भी प्रशासन ने फंसे हुए यात्रियों को भोजन पहुंचाने या बचाने के लिए कोई उपाय नहीं किया है। वहीं, स्थानीय जन प्रतिनिधि परिषद के कार्यकारी सदस्य अमेंदु होजाई जिला प्रशासन और कंपनी की मशीनों और गाड़ियों का इंतजार नहीं करके गुरुवार की सुबह से ही जेसीबी गाड़ियां लेकर सड़क को खाली करने के काम में जुट गए।

लमडिंग-बदरपुर पहाड़ी लाइन पर भूस्खलन से रेल मार्ग बंद

मुख्यमंत्री से 2 जून की असम इंजीनियरिंग कॉलेज एंट्रेंस परीक्षा स्थगित करने की मांग की

डिमा हसाओ (हिंस)। न्यू हाफलोंग और माइग्रैंडिसा के बीच एक और स्थान पर भूस्खलन होने से लामडिंग-बदरपुर पहाड़ी लाइन पर ट्रेन सेवाएं अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दी गई हैं। पहाड़ी लाइन पर ट्रेन सेवा कब चालू होगी, इसे लेकर काफी अनिश्चितता है। शुष्क मौसम के दौरान पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) अधिकारी माहुर से डिटेक्छोरा डायवर्जन खंड पर भूस्खलन को रोकने के अग्रिम चेतावनी के उपाय करने में विफल रहे हैं। रेलवे अधिकारियों ने 26 मई को पहाड़ी लाइन पर जातिंगा लामपुर के पास हुई घटना से कोई सबक नहीं लिया। गुरुवार सुबह न्यू हाफलोंग और माइग्रैंडिसा के बीच एक और भूस्खलन हुआ। बारिश के कारण न्यू हाफलोंग और न्यू हरंगाजाओ स्टेशनों के बीच रेलवे ट्रैक पर पहाड़ों से आया पानी

और कीचड़ जम गया है। सुरंग नौ और 14 में भी पहाड़ से नीचे आ रहे पानी ने नदी का रूप ले लिया है। इसके बाद गुरुवार और शुक्रवार को पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने कई यात्री ट्रेनों को पूरी तरह से रद्द कर दिया तथा कुछ को आंशिक रूप से रद्द कर दिया था। जिसके कारण डिमा हसाओ जिले के साथ बराक घाटी, त्रिपुरा, मिजोरम और मणिपुर देश के अन्य हिस्सों से रेलवे नेटवर्क से पूरी तरह से कट गए हैं। ट्रेनों की आवाजाही रुकने से इलाके के रेल यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। लंबी दूरी की ट्रेनें गुवाहाटी या लमडिंग पहुंचने के बाद आंशिक रूप से रद्द कर दी गई हैं। इसमें भी रेल यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बराक घाटी सहित त्रिपुरा और मिजोरम के रेल यात्रियों ने हाफलोंग शहर के कई होटलों में शरण ली है। असम इंजीनियरिंग कॉलेज प्रवेश परीक्षा 2 जून को गुवाहाटी में होने जा रही है। इससे इस क्षेत्र के कई अभ्यर्थी जो परीक्षा देने के लिए गुवाहाटी आने वाले थे, वे परेशानी में हैं। रेलवे और सड़कें बंद होने के कारण इन सभी छात्रों के इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश को लेकर अनिश्चितता पैदा हो गई है। इसलिए जो छात्र प्रवेश परीक्षा में बैठने के लिए डिमा हसाओ या अन्य स्थानों से गुवाहाटी के असम इंजीनियरिंग कॉलेज जाने वाले कई छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए, 2 जून की परीक्षा को स्थगित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा से अपील की गई है।

मणिपुर में दो केसीपी (सीएम) उग्रवादी चढ़े पुलिस के हत्थ

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी के साथ ही उग्रवादियों के पकड़े जाने का सिलसिला भी लगातार जारी है। इसी सिलसिले में सुरक्षा बलों के अभियान में केसीपी (सीएम) संगठन के दो कैडरों को पकड़ा गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पुलिस ने थौबल जिले से केसीपी (सीएम) संगठन के जिन दो सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है, उनकी पहचान लाइरेंलाकपाम थौएबा उर्फ सांगजाओबा मैतेई (48) तथा सिंगम कबिकांत उर्फ थोएबा मैतेई के रूप में हुई है। उनके पास से मैगजीन के साथ दो 9 मिमि पिस्तौल, मैगजीन के साथ 15 जिंदा कारतूस, दो मोबाइल फोन, एक चार पहिया वाहन और कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद की गईं। आगे की जांच के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है। उग्रवादी गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

मानकाचर में भारत बांग्लादेश सीमा पर ब्रह्मपुत्र का भारी कटाव

दक्षिण सलमारा (हिंस)। ब्रह्मपुत्र नद का भारी कटाव दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर हो रहा है। जिला मुख्यालय हाटशिंगिमारी से लगभग पांच किमी दूर भारत-बांग्लादेश सीमा पर कलाइरआलगा तक ब्रह्मपुत्र नद कटाव कर चुका है। ब्रह्मपुत्र तक जाने वाली सड़क खतरे में पड़ गई है। जिला मुख्यालय हाटशिंगिमारी को भारत-बांग्लादेश सीमा से जोड़ने वाली एकमात्र सड़क यदि ब्रह्मपुत्र नद के कटाव से बह जाती है तो बांध के अंदर के गांवों में भयानक स्थिति पैदा हो जाएगी। अगर सीमा को जोड़ने वाली सड़क किसी भी वक्त नद में बह जाती है तो संभावना है कि एक झटके में कंटीले तार की फैंसिंग भी नद में चली जाएगी। सीमा को जोड़ने वाली सड़क से महज 15/20 मीटर की दूरी पर ब्रह्मपुत्र नद में गंभीर कटाव शुरू हो गया है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर गंभीर कटाव से अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ-साथ देश की सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न हो गया है। यदि नद भारत-बांग्लादेश सीमा पर लगी कांटेदार बाड़ को बहा ले जाती है तो भारत-बांग्लादेश सीमा खुल जाएगा। नतीजतन, स्थानीय सीमा पर रहने वाले लोग चिंतित हैं कि बांग्लादेशी बदमाश आसानी से भारत में प्रवेश कर सकते हैं और मानकाचर के लोगों के साथ-साथ पूरे असम के लोगों को भी परेशान कर सकते हैं। क्योंकि, लगभग 20 साल पहले मानकाचर में भारत-बांग्लादेश सीमा पर कांटेदार तार की बाड़ नहीं थी, तब बांग्लादेशी बदमाश अक्सर रात में सीमा पार करते थे और स्थानीय लोगों के घरों में चोरी, डकैती, बलात्कार जैसी घटनाओं को अंजाम देकर रातोंरात सुरक्षित बांग्लादेश लौट जाते थे।

असम राजभवन में मनाया गया गोवा राज्य दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य स्थापना दिवस की भावना को आदर करने के क्रम में असम राजभवन के सम्मेलन कक्ष में आयोजित एक समारोह में गोवा राज्य स्थापना दिवस मनाया। यह समारोह असम और गोवा के बीच घनिष्ठ और अंतर्निहित संबंधों और इनकी सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाता है। इस अवसर पर सेंट जेवियर्स स्कूल (पामोही) के प्रबंधक फादर जोसली फर्नांडीस ने कहा कि गोवा का प्रकृति के साथ गहरा संबंध है। यह भारत के प्रमुख धर्मों के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि चाहे कोई भी आगंतुक दुनिया के किसी भी हिस्से से क्यों न हो, गोवा सभी के साथ अच्छा व्यवहार करता है और *अतिथि देवो भव* के सिद्धांत पर खरा उतरता है। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिमी घाट का हरा-भरा परिदृश्य, झरने, खूबसूरत समुद्र तट और शांत बैकवाटर गोवा को हर किसी के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाते हैं। मंदिरों और चर्चों की मौजूदगी आपसी सम्मान और सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व के संदेश को दर्शाती है। इस अवसर पर डॉन बॉस्को विश्वविद्यालय के कुलपति फादर (डॉ.) जोस पैली ने कहा कि गोवा भारत का *सनशाइन स्टेट* है। हालांकि यह राज्य देश का सबसे छोटा राज्य है, लेकिन विकास की दिशा में इसकी प्रगति उल्लेखनीय है। राज्य की

प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत, आर्थिक जीवंतता, ढांचागत विकास और सामाजिक कल्याण पहल गोवा को एक अनुकरणीय राज्य बनाती है। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम असम में गोवा का राज्य दिवस मना रहे हैं, यह ध्यान रखना उचित है कि असम प्राकृतिक संसाधनों के मामले में एक समान माहौल साझा करता है। चाहे वह काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान हो, विशाल ब्रह्मपुत्र नद हो या माजुली नदी द्वीप- असम को भी प्रकृति का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त है। समारोह के दौरान असम की प्रथम महिला अनीता कटारिया, राज्यपाल की सचिव स्वप्ना दत्ता डेका, सेंट जेवियर्स स्कूल की प्रिंसिपल कबिता डेका, फादर मिल्डन डिसूजा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दो हाथी दांत समेत एक गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के बिहाली के रांशाली इलाके में सीमा शुल्क विभाग ने अभियान चला कर हाथी के दो दांत समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया हैं। सीमा शुल्क विभाग में गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जिले के रांगसाली कमारपुखरी चाराली इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान दो हाथी दो दांत समेत सोनमनि दास को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी के पास से जब्त दोनों हाथी दांत का वजन लगभग 27 किग्रा आंका गया है। गिरफ्तार आरोपी इलाके में हाथी दांत को बेचने आया था। इसी दौरान उसे गिरफ्तार किया गया। सीमा शुल्क विभाग इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रहा है।

बिजली विभाग के खिलाफ आसू का प्रदर्शन

रंगिया। रंगिया आंचलिक छात्र संघ ने आज राज्य भर में बिजली दरों में वृद्धि और अनियमित बिजली आपूर्ति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। रंगिया मे भी छात्र संघ के प्रदर्शनकारी आज सुबह 11.30 बजे रंगिया हाईवे चौक पर पहुंचे और राज्यीक बिजली विभाग का पुतला फूंका। रंगिया आंचलिक छात्र संघ के पदाधिकारियों के साथ-साथ कामरूप जिला छात्र संघ के अध्यक्ष तौफिकर रहमान भी ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा घोषित पुतला दहन कार्यक्रम में उपस्थित थे और उन्होंने राज्य के ऊर्जा विभाग के साथ-साथ बिजली मंत्री की भी आलोचना की। छात्र नेता ने आरोप लगाया कि बिजली मंत्री बिजली शुल्क बढ़ाने के साथ-साथ बिजली नियमित करने का वादा नहीं निभा रहे हैं। (नि सं)

बीस लाख रुपए का प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद, तीन गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। जिले के बजारीछोड़ा पुलिस स्टेशन की चुराइबाड़ी पुलिस चौकी इलाके से गुरुवार को 20 लाख का नशीला कफ सिरप जब्त किया गया। पुलिस ने नशीला कफ सिरप की तस्करी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। बुधवार को दस लाख रुपए की विदेशी सिगरेट बरामद करने के बाद चुराईबाड़ी पुलिस को गुरुवार को फिर से नशा विरोधी अभियान में सफलता मिली है। असम-त्रिपुरा अंतर्राज्यीय सीमा पर चुराइबाड़ी पुलिस चौकी के प्रभारी प्रणब मिल्ली ने बताया कि गुवाहाटी से वीआरएल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का एक कंटेनर ऑनलाइन सामान लेकर त्रिपुरा की राजाधजानी अगरतला जाने के दौरान चुराइबाड़ी पहुंचा था। तलाशी के दौरान कंटेनर में विभिन्न सामानों के बीच छिपाकर रखे गए 14 कार्टून में 2100 शीशी नशीली एस्कॉफी सिरप बरामद हुआ है।

डाबर ग्लुकोज ने युवा एथलीट्स को बढ़ावा देने के लिए लांच किया एनर्जाइज इंडिया कैंपेन

तेजपुर। डाबर की ओर से इंस्टेन्ट एनर्जी ड्रिंक डाबर ग्लुकोज ने युवाओं में खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने तथा देश भर की स्पोर्ट्स एकेडमियों के युवा एथलीट्स को एनर्जी एवं स्टैमिना के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए एक कैंपेन एनर्जाइज इंडिया का लांच किया है। इस कैंपेन के तहत डाबर ग्लुकोज ने आज तेजपुर, असम की जीवंती स्पोर्ट्स कोचिंग सेंटर में एनर्जी एवं स्टैमिना मैनेजमेन्ट पर एक विशेष जागरुकता सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर जाने-माने डॉक्टर और विशषज्ञ भी मौजूद रहे। सत्र के दौरान एथलीट्स को बताया गया कि किस तरह से वे खेल के दौरान अपने परफोर्मेन्स को बेहतर बना सकते हैं और अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग कर सकते हैं। डाबर ने इस एकेडमी के टॉप एथलीट्स को सम्मानित भी किया। इस अभियान के तहत, डाबर ग्लूकोज ने इस अकादमी के तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को समर्थन और प्रायोजित करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी घोषणा की है। ब्रांड इन युवा एथलीटों की क्षमता को पहचानता है और उन्हें उनके संबंधित खेलों में उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने में मदद करने के लिए आवश्यक संसाधन और प्रोत्साहन प्रदान करता है। हमें खुशी है कि युवा एथलीट्स को एनर्जी एवं स्टैमिना के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए हम एनर्जाइज इंडिया कैंपेन लेकर आए हैं। यह कैंपेन उन्हें अपने खेल में एनर्जी के साथ बेहतरीन परफोर्मेन्स देने के लिए प्रेरित करेगा। डाबर एथलीट्स, खेल प्रशंसकों और उन लोगों के लिए परफेक्ट ब्रांड है जो एक्टिव लाईफस्टाईल जीना चाहते हैं। डाबर ग्लुकोज इंस्टेन्ट एनर्जी देता है, ऐस में यह खासतौर पर उन एथलीट्स के लिए बेहतरीन है जो फिजिकल एक्टीविटी करते हैं। डाबर इंडिया लिमिटेड के सीएसआर और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस के प्रमुख, ब्यास आनंद, ने कहा कि डाबर इंडिया लिमिटेड में तेजपुर यूनिट हेड, गुरमीत सिंह ने कहा कि हमें जीवंती स्पोर्ट्स कोचिंग सेंटर के तीन होनहार खिलाड़ियों को समर्थन और प्रायोजित करने पर गर्व है। डाबर में, हम एथलीटों की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने और उन्हें प्रदान करने में विश्वास करते हैं। सफल होने के लिए उन्हें समर्थन की आवश्यकता है। इस पहल के माध्यम से, हमारा लक्ष्य इन एथलीटों को आगे बढ़ने और उनके खेल प्रयासों में बड़ी सफलता हासिल करने में मदद करना है। जोनसिमिक नारजरी-बॉक्सिंग सचिव, तेजपुर जिला खेल संघ ने एनर्जी सैशन के दौरान युवा एथलीट्स को बताया गया कि खेल में अच्छा परफोर्मेन्स देने के लिए पोषण और हाइड्रेशन बहुत जरूरी है। इस सत्र के दौरान उन्हें बताया गया कि वे किस तरह अपने स्टैमिना और धैर्य में सुधार ला सकते हैं, जो एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हेमेन राजवंशी, हेमेन राजवंशी, मैनेजर-मानव संसाधन, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा। डाबर ग्लुकोज हमेशा से युवाओं को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली जीने के लिए प्रेरित करता रहा है। युवा एथलीट्स के साथ यह साझेदारी इसी लक्ष्य की दिशा में एक और कदम है। अपने ताजगी से भरे स्वाद और इंस्टेन्ट एनर्जी के साथ डाबर ग्लुकोज युवा एथलीट्स की एनर्जी बनाए रखने के लिए बेहतरीन विकल्प है, जिसे अपनाकर वे अपना सर्वश्रेष्ठ परफोर्मेन्स दे सकते हैं।

स्वर्गीय थानेश्वर बोड़ो की याद में श्रद्धांजलि व स्मृति सभा आयोजित

रंगिया (विभास)। असम गण परिषद (अगप) के प्रतिष्ठापक नेता, रंगिया के पूर्व विधायक तथा असम सरकार के पूर्व मंत्री स्वर्गीय थानेश्वर बोड़ो को याद करते हुए गुरुवार को रंगिया में एक श्रद्धांजलि और स्मृतिचारण सभा का आयोजन किया गया। अगप की रंगिया जिला समिति द्वारा केंद्रिय रूप से रंगिया वार्ड नंबर 4 स्थित प्रगति संघ मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में स्वर्गीय थानेश्वर बोड़ो के परिवार के लोगों सहित अगप और भाजपा के कई मंत्रियों, विधायकों और सांसदों के अलावा स्थानीय गणमान्य लोगों ने भाग लिया। श्रद्धांजलि समारोह की शुरुआत बोड़ो भाषा में प्रार्थना के साथ हुई। फिर एक-एक कर सभी ने दिवंगत पूर्व विधायक के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में अगप के अध्यक्ष तथा कृषि एवं पशुपालन मंत्री अतुल बोरा, अगप के कार्यकारी अध्यक्ष और स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत, शिक्षा मंत्री रनोज पेगु, राज्य भाजपा अध्यक्ष तथा रंगिया के विधायक भवेश कलिता, कमलपुर के विधायक दिगंत कलिता, लोकसभा सांसद तथा भाजपा के प्रार्थी दिलीप सैकिया, तामुलपुर के विधायक जलेन दैमारी सहित और कई अन्य लोग उपस्थित थे। सभी ने दिवंगत थानेश्वर बोड़ो की सराहना की और कहा कि हम सभी को भविष्य में उनके दिखाए रास्ते पर चलते रहना चाहिए। इस मौके पर आगामी वित्तीय वर्ष में दिवंगत बोड़ो की स्मृति को रंगिया के साथ जोड़कर रखने के लिए रंगिया में उनकी प्रतिमा की स्थापना और एक पुस्तकालय के निर्माण किए जाने की घोषणा रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने की।

मणिपुर : भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान और क्षेत्र वर्चस्व चलाया गया। इस दौरान थौबल जिले के ग्वारोक चिंग से एक एसएमजी कार्बाइन, एक 9 एमएम पिस्तौल, एक डीबीबीएल, छह एचई-36 नंबर हैंड ग्रेनेड, चार ट्यूब लांचर, दो एसएलआर मैगजीन, 58 जिंदा राउंड कारतूस, चार 12 बोर कारतूस, चार्जर के साथ दो वॉकी टॉकी, एक टियर स्मोक शेल (सॉफ्ट नोज), एक स्टन शेल (दंगा रोधी) बरामद किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

बाढ़ से बचाव को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले में बाढ़ से निपटने की तैयारियों पर एक समीक्षा बैठक आज अमीनगांव में एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के संयुक्त सचिव और कामरूप जिले में बाढ़ प्रबंधन के लिए राज्य सरकार द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी हेमाश्री हजारिका बोरा और कामरूप जिले के अतिरिक्त जिला आयुक्त चंदना बरुआ सहित जिले के विभिन्न विभागों के कई शीर्ष अधिकारियो ने भाग लिया। संयुक्त सचिव ने कामरूप जिले में संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य विभागों जैसे लोक निर्माण विभाग, शिक्षा, जन स्वास्थ्य, जल संसाधन आदि विभागों द्वारा तैयार की गई योजनाओं और अब तक किए गए उपायों की समीक्षा की। बैठक में कामरूप जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के जिला परियोजना अधिकारी राजीव दत्त चौधूरी ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि जिले में 11 राजस्व मंडलों के तहत 370 आश्रय शिविरों की पहचान की गई है और राहत कार्यों के लिए एसडीआरएफ इकाइयां तैयार की गई हैं। इसके अलावा अन्य व्यवस्थापना पर भी उन्होंने विस्तृत विवरण दिया। संयुक्त सचिव ने कहा कि लोक स्वास्थ्य, जल संसाधन, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा, एपीडीसीएल आदि विभागों ने स्वच्छ पेयजल, अस्थायी शौचालयों की स्थापना, ब्लीचिंग पाउडर की आपूर्ति और बिजली कटौती की स्थिति में उठाए जाने वाले आपातकालीन उपाय उपलब्ध कराए हैं। बैठक में संभावित बांधों को मजबूत करने के लिए किए गए उपायों की समीक्षा की गयी। उन्होंने जिले के 11 राजस्व मंडलों के लिए चिन्हित 370 आश्रय स्थलों में सुविधाओं की भी जानकारी ली।

तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक की मौत

धेमाजी (हिंस)। जिला के सिलापाथर पुलिस स्टेशन के तहत भगवान सिली में राष्ट्रीय राजमार्ग-515 पर बीती रात में एक सड़क दुर्घटना के चलते एक व्यक्ति की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार एक चार पहिया मारुति स्वाइप कार (एएस-07डब्ल्यू-1686) जो सीमेन चापरी दिशा से सिलापथार की ओर जा रहा थी, इसी दौरान भगवान सिली को ओर पैदल जा रहे एक व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिसके चलते उसकी मौत हो गयी। हादसे के बाद मौके से भाग रहे कार चालक को पकड़ने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सौंप दिया। मृतक की पहचान 2 नंबर सिली नेपाली गांव निवासी भीम छेत्री के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है।

राभापाड़ा गांव में तूफान ने मचाई तबाही

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना अंतर्गत राभापाड़ा गांव में आज सुबह 8.00 बजे आए तूफान से कई पेड़ गिर गए और कई मकान का टीन उड़ गए। वहीं एक आम का पेड़ एक मकान में गिर गया। फकीराग्राम थाना के अंतर्गत राभापाड़ा गांव में आज आए तूफान में कई पेड़ गिर गए। कई पेड़ बिजली की तार पर गिर पड़े दिखाई दिए। वही राभापाड़ा गांव के सुरेन सरकार के घर में आम का पेड़ गिरा, जबकि जाईनसार ब्रह्म के घर का टीन तूफान उड़ाकर ले गया, थुलंगा ब्रह्म, जगदीश नारजारी, पूर्ण सरकार के दुकान में तूफान से क्षति पहुंचा है वही कुमगुड़ी गांव में भी तूफान से क्षति पहुंचा है।

संपादकीय

बुजुर्गों के बीमे के सच

प्रधानमंत्री मोदी की एक चुनावी गारंटी है कि अब 70 वर्ष की उम्र या उससे अधिक के प्रत्येक नागरिक को 'आयुष्मान' योजना का लाभ मिलेगा। वे 5 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त ही करा सकेंगे। यदि प्रधानमंत्री की भावना वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य कवर देने की थी, तो इस आयु-वर्ग के दायरे में 65 साल के वरिष्ठ नागरिक भी रखे जा सकते थे, क्योंकि इस उम्र तक बीमारियां पकने लगती हैं और इलाज की सख्त जरूरत होती है। इस सूची में मधुमेह, रक्तचाप, हृदय रोग, कैंसर, किडनी, प्रोस्टेट से जुड़ी बीमारियां रखी जा सकती हैं, जो उम्र के साथ-साथ बढने लगती हैं। यदि प्रधानमंत्री ने ऐसा किया होता, तो न केवल देश के बुजुर्ग उन्हें ढेरों आशीर्वाद देते, बल्कि सकल जीवन प्रत्याशा भी बढ़ती। दरअसल बूढ़ों को स्वास्थ्य कवर देना बेहद गंभीर और जरूरी मुद्दा है, क्योंकि स्वास्थ्य बीमा कंपनियां वरिष्ठ नागरिकों को कवर देने से कन्नी काटती हैं या साफ इंकार कर देती हैं। अधिकतर निजी कंपनियों के बीमे की किस्त बेहद महंगी होती है, जिसे बिना पेंशन वाले बुजुर्ग वहन नहीं कर सकते। जो सरकारी सेवाओं में रहे हैं, उनके लिए सीजीएचएस जैसी सुविधाएं ताउम्र उपलब्ध हैं। ऐसे बहुत कम फीसदी लोग हैं। आम आदमी के लिए बीमा कंपनियों की शर्तें इतनी महीन छापी जाती हैं कि उन्हें पढना असंभव होता है, लिहाजा बीमा लेने वालों को एजेंट के कथनों पर ही भरोसा करना पड़ता है। सरकारी डाटा ही खुलासा करता है कि मात्र 6 फीसदी आबादी उन वरिष्ठ नागरिकों की है, जिनके पास अपना स्वास्थ्य बीमा कवर है, जबकि भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडाई) बुजुर्गों की भागीदारी को प्रोत्साहित करता रहा है। यह एक संवैधानिक निकाय है, जिसका गठन संसद में पारित बिल के जरिए किया गया था, ताकि बीमा बाजार पर निगाह रखी जा सके। इसके बावजूद देश और समाज के सबसे संवेदनशील समूह को बीमे के फायदों और जरूरत से बाहर रखा गया है, क्योंकि बीमे की किस्त वाकई बेहद महंगी है। प्रधानमंत्री की गारंटी 'मास्टर स्ट्रोक' साबित हो सकती थी। इरडाई का ही डाटा है कि 144 करोड़ के देश में 55 करोड़ के पास ही स्वास्थ्य कवर है। औसतन 100 में से 54 कवर सरकार द्वारा प्रायोजित होते हैं। किस्त के तौर पर कमाए गए प्रति 100 रुपए में से 91 रुपए व्यक्तिगत और समूह बीमा पॉलिसी से आते हैं। 'पॉलिसी बाजार' नामक बीमा कंपनी के सर्वेक्षण के मुताबिक, देश में 96 फीसदी लोग स्वास्थ्य बीमा जानते हैं, लेकिन 43 फीसदी ने ही पॉलिसी ले रखी है। औसतन 3 में से 2 लोग महसूस करते हैं कि बीमा किस्त बेहद महंगी है। नीतियां और शर्तें बेहद पेचीदा हैं, लूट भी लेती हैं, भुगतान की शर्तें बिल्कुल अस्पष्ट हैं और कई बीमारियों को कवरेज की सूची से बाहर रखा गया है और बीमाधारक को यह स्पष्ट नहीं किया जाता। यह धोखाधड़ी अधिकतर कंपनियां कर रही हैं। दरअसल स्वास्थ्य बीमा का बाजार बड़ा प्रतियोगी है। बीते 2023 के अंत में 29 कंपनियां ऐसी थीं, जो स्वास्थ्य की नीतियां और शर्तें तय कर रही थीं। गैर-जीवन बीमा बाजार का यह सबसे बड़ा हिस्सा, भाग है। बेशक यह बीमा-क्षेत्र बढ़ भी रहा है, क्योंकि लोग स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा सचेत होने लगे हैं। 2023 में ही स्वास्थ्य बीमा की किस्त 21 फीसदी बढ़ाई गई, जो गैर-जीवन बीमा क्षेत्र की सकल वृद्धि से 7 फीसदी अधिक थी। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) जीवन बीमा के बाजार का सिरमौर अब भी है। अब भी उसमें भारत सरकार की हिस्सेदारी सर्वाधिक है। वह स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में भी उतरने और धमक मचाने पर विचार कर रही है। यह कंपनी 'मील पत्थर' स्थापित करने में भी सक्षम है। एलआईसी का सालाना मुनाफा 40,000 करोड़ रुपए से अधिक का है, लिहाजा उसके शेयर की कीमत, बीते अक्तूबर से ही, दोगुनी हो गई है। बड़ा और महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आम बीमा उपभोक्ता के लिए एलआईसी के संभावित प्रयास के मायने और फायदे क्या होंगे? क्या बुजुर्गों की उपेक्षित जमात को रियायती किस्त पर स्वास्थ्य कवर मिल सकेगा? या प्रधानमंत्री मोदी ही अपने तीसरे कार्यकाल में कोई सामाजिक पहल करेंगे? देश में बनने वाली नई सरकार को समझ लेना चाहिए कि अगर उसे बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद चाहिए, तो इस योजना का लाभ 65 वर्ष आयु वाले वरिष्ठ नागरिकों को देना होगा।

प्रधानमंत्री की भावना वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य कवर देने की थी, तो इस आयु-वर्ग के दायरे में 65 साल के वरिष्ठ नागरिक भी रखे जा सकते थे, क्योंकि इस उम्र तक बीमारियां पकने लगती हैं और इलाज की सख्त जरूरत होती है। इस सूची में मधुमेह, रक्तचाप, हृदय रोग, कैंसर, किडनी, प्रोस्टेट से जुड़ी बीमारियां रखी जा सकती हैं, जो उम्र के साथ-साथ बढने लगती हैं। यदि प्रधानमंत्री ने ऐसा किया होता, तो न केवल देश के बुजुर्ग उन्हें ढेरों आशीर्वाद देते, बल्कि सकल जीवन प्रत्याशा भी बढ़ती। दरअसल बूढ़ों को स्वास्थ्य कवर देना बेहद गंभीर और जरूरी मुद्दा है, क्योंकि स्वास्थ्य बीमा कंपनियां वरिष्ठ नागरिकों को कवर देने से कन्नी काटती हैं या साफ इंकार कर देती हैं। अधिकतर निजी कंपनियों के बीमे की किस्त बेहद महंगी होती है, जिसे बिना पेंशन वाले बुजुर्ग वहन नहीं कर सकते। जो सरकारी सेवाओं में रहे हैं, उनके लिए सीजीएचएस जैसी सुविधाएं ताउम्र उपलब्ध हैं। ऐसे बहुत कम फीसदी लोग हैं।

आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा की जा रही है

अग्निकांड़ों ने हर भारतीय का दिल जख्मी किया

ललित गर्ग

'अग्निकांड' एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। जीवन का हर पल दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है। दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना हो या सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना-हर स्थिति में मनुष्य जीवन के अस्तित्व एवं अस्मिता पर सन्नाटा पसर रहा है।

गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें अभी ठीक से बुझी भी नहीं थीं कि शनिवार देर रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगने से सात नवजात बच्चों की जान चली गयी। दोनों ही घटनाओं में हताहत होने वालों में ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। निश्चित रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। 'अग्निकांड' एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। जीवन का हर पल दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है। दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना हो या सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना-हर स्थिति में मनुष्य जीवन के अस्तित्व एवं अस्मिता पर सन्नाटा पसर रहा है। इन दोनों मामलों में शुरुआती सूचनाएं ही संदेह का पुख्ता आधार प्रदान कर रही हैं। मसलन, यह बताया गया कि राजकोट के प्राइवेट एम्यूजमेंट पार्क में चल रहे गेमिंग जोन को फायर एनओसी नहीं मिला था। इसके बावजूद यह गेमिंग जोन धड़ल्ले से चल रहा था, बड़ी संख्या में बच्चे यहां महंगे टिकट लेकर आ रहे थे और अगर आग लगने की यह घटना न होती तो पता नहीं कब तक सब कुछ ऐसे ही चलता रहता। ठीक इसी तरह दिल्ली के बेबी केयर सेंटर की आग की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। एनआईसीयू में वेंटिलेटर पर ही 7 नवजात ने दम

तोड़ दिया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि बच्चों को पीछे के रास्ते से बड़ी मुश्किल से निकाला गया। 5 बेड की क्षमता वाले हॉस्पिटल में 12 बच्चों का इलाज हो रहा था। जाहिर है, एक बेड पर दो या तीन बच्चे थे। आग लगने, हॉस्पिटल के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का क्या स्थानीय प्रशासन को अंदाजा नहीं होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। इन दोनों अग्निकांड़ों में पीड़तिजन तो सहानुभूति के पात्र हैं ही, पर इन घटनाओं के लिए सहानुभूति की पात्र देश की जनता भी है, जो भ्रष्ट, लापरवाह एवं लालची प्रशासनिक चरित्रों को झेल रही है। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है। राजकोट हो या राजधानी में प्राइवेट संस्थानों में आग लगना- बेकसूर लोगों के मारे जाने की घटनाएं कोई नई या चौंकाने वाली बात नहीं है। कभी कोई फैक्ट्री इस वजह से सुर्खियों में आती है तो कभी कोचिंग संस्थान। कभी कोई अस्पताल तो कभी एम्यूजमेंट पार्क। घटना के बाद पता चलता है कि वे संस्थान तमाम कानूनी प्रक्रियाओं को ताक पर रखते हुए चलाए जा रहे थे। यही वजह है कि दोनों ही मामलों में तत्काल जांच के आदेश दे दिए गए। मगर आम तौर पर ऐसे आदेश घटना से उपजे असुविधाजनक एवं ज्वलंत सवालों की ओर से लोगों का ध्यान हटाने भर का काम करते हैं। आसमान से बरसती आग के बीच शनिवार को हुए इन दोनों अग्निकांडों में मासूमों व बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। आग क्यों और कैसे लगी, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है पर कारण बना दिया जाता हैं पुर्जों व उपकरणों की खराबी को। जैसे-जैसे जीवन तेज़ होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, क्यों नहीं हो रहा है, यह मंथन का विषय है। राजधानी दिल्ली ही नहीं, देश में हर जगह कानूनों एवं व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ते हुए देखा जा सकता है।

दृष्टि कोण

खेतों से उजड़ते पेड़ मानवीय अस्तित्व को खतरा

न तो अब खेतों में कोयल की कूक सुनाई देती है और न ही सावन के झूले पड़ते हैं। यदि फसल को किसी आपदा का ग्रहण लग जाए तो अतिरिक्त आय का जरिया होने वाले फल भी गायब हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'नेचर सस्टैनबिलिटी' में 15 मई, 2024 को प्रकाशित आलेख बताता है कि भारत में खेतों में पेड़ लगाने की परंपरा अब समाप्त हो रही है। कृषि-वानिकी का मेलजोल कभी भारत के किसानों की ताकत था। देश के कई पर्व-त्योहार, लोकाचार, गीत-संगीत खेतों में खड़े पेड़ों के इर्द-गिर्द रहे हैं। मार्टिन ब्रांट, दिमित्री गोमिंस्की, फ्लोरियन रेनर, अंकित करिरिया, वेंकन्ना बाबू गुथुला, फ़िलिप सियाइस, ज़ियाओये टोंग, वेनमिन झांग, धनपाल गोविंदराजुलु, डैनियल ऑर्टिज़-गोंज़ालो और रासमस फेंशोल्टन के बड़े दल ने भारत के विभिन्न हिस्सों में आंचलिक क्षेत्रों में जा कर शोध कर पाया कि अब खेत किनारे छाया मिलना मुश्किल है। इसके कई विषम परिणाम खेत झेल रहा है। जब देश में बढ़ता तापमान व्यापक समस्या के रूप में सामने खड़ा है और सभी जानते हैं कि धरती पर अधिक से अधिक हरियाली की छतरी ही इससे बचाव का जरिया है। ऐसे में इस शोध का यह परिणाम गंभीर चेतावनी है कि बीते पांच वर्षों में हमारे खेतों से 53 लाख फलदार व छायादार पेड़ गायब हो गए हैं। इनमें नीम, जामुन, महुआ और कटहल जैसे पेड़ प्रमुख हैं। इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0.6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे। बहुत जगहों पर तो खेतों में मौजूद आधे पेड़

गायब हो चुके हैं। अध्ययन से यह भी पता चला है कि 2018 से 2022 के बीच करीब 53 लाख पेड़ खेतों से अदृश्य थे। यानी इस दौरान हर किमी क्षेत्र से औसतन 2.7 पेड़ नदारद मिले। वहीं कुछ क्षेत्रों में तो हर किमी क्षेत्र से 50 तक पेड़ गायब हो चुके हैं। यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजाड़ा क्यों? किसान भलीभांति जानता है कि खेत की मेड़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है पानी संचयन, पत्तों और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का अहसास। इन पेड़ों पर पक्षियों का बसेरा भी रहता था। जो फसलों में लगने वाले कीट-पतंगों से रक्षा करते थे। फसलों को नुकसान करने वाले कीटाणु सबसे पहले मेड़ के पेड़ पर ही बैठते हैं। उन पेड़ों पर दवाओं का छिड़काव कर दिया जाए तो फसलों पर छिड़काव करने से बचत हो सकती है। जलावन, फल-फूल से अतिरिक्त आय तो है ही। इसके बावजूद नीम, महुआ, जामुन, कटहल, खेजड़ी (शमी), बबूल, शीशम व नारियल आदि जैसे बहुउद्देशीय पेड़ों का काटा जाना, जिनका मुकुट 67 वर्ग मीटर या उससे अधिक था, किसान की किसी बड़ी मजबूरी की तरफ इशारा करता है। एक बात समझना होगा कि हमारे यहां तेजी से खेती का रकबा कम होता जा रहा है। एक तो घरों में ही खेती की जमीन का बंटवारा हुआ, फिर लोगों ने समय-समय पर व्यवसायिक इस्तेमाल के लिए खेतों को बेचा। आज से पचास साल पहले 1970-71 तक देश के कुल किसानों में से आधे किसान सीमांत थे। सीमांत यानि जिनके पास एक हेक्टेयर या उससे कम जमीन हो। 2015-16 आते-आते सीमांत किसान बढ़कर 68 प्रतिशत हो गए हैं। अनुमान यह कि आज इनकी संख्या 75 फीसदी है। सरकारी आंकड़ा कहता है कि सीमांत किसानों की औसत खेती 0.4 हेक्टेयर से घटकर 0.38 हेक्टेयर रह गई है।

कुछ अलग

युवाओं में कैंसर

निश्चित रूप से यह बेहद चिंता बढ़ाने वाला निष्कर्ष है कि भारत में कैंसर तेजी से युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। जो हमारी जीवनशैली व खानपान की आदतों में आये बदलावों का भी सूचक है। दरअसल, कैंसर विशेषज्ञों के समूह द्वारा कैंसर मुक्त भारत फाउंडेशन के तहत एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि कैंसर तेजी से युवाओं को प्रभावित कर रहा है। अध्ययन बताता है कि देश में बीस फीसदी मामले चालीस वर्ष से कम आयु के पुरुषों व महिलाओं में पाए गए हैं। जिसमें साठ फीसदी मरीज पुरुष हैं। कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सिर व गर्दन के कैंसर के हैं, जो करीब छब्बीस प्रतिशत बताए गए हैं। इसके बाद ये आंकड़े बताते हैं कि सोलह फीसदी मामले गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर के, पंद्रह फीसदी स्तन कैंसर तथा रक्त कैंसर के मामले नौ फीसदी हैं। कैंसर विशेषज्ञों का मानना है कि युवा पीढ़ी में बढ़ते कैंसर के खतरे की वजह तंबाकू व शराब का सेवन है। वहीं दूसरी ओर मोटापा भी एक बड़ा कारक है। जिसके मूल में युवाओं का निष्क्रिय जीवन भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि कैंसर के मामले बढ़ने की एक वजह प्रोसेस्ड भोजन का अधिक सेवन भी है। दुर्भाग्य से चिंता की सबसे बड़ी बात यह है कि दो तिहाई मामलों में कैंसर का पता तब चलता है जब तक उपचार में देर हो चुकी होती है। दरअसल, देश में कैंसर की समय रहते जांच कराने के प्रति उदासीनता के चलते भी इस जानलेवा रोग का देर से पता चलता है। ऐसे में सरकार और सामुदायिक स्तर पर कैंसर को लेकर देशव्यापी अभियान चलाने की जरूरत है। कम से कम लोगों को इस बात के लिये मानसिक रूप से तैयार किया जाए कि प्राथमिक संकेत मिलने पर समय रहते जांच तो करा ही लेनी चाहिए। स्वयं सेवी संगठन ग्रामीण इलाकों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सचेत कर सकते हैं। यही वजह है कि एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा समूह द्वारा हाल ही में जारी अपनी एक रिपोर्ट में भारत को 'दुनिया की कैंसर राजधानी' के रूप में वर्णित किया है। इसकी वजह हर साल कैंसर के लाखों मामले दर्ज किया जाना भी है। दरअसल, भारत में हर साल कैंसर के दस लाख नये मामले दर्ज किये जाते हैं। आशंका जतायी जा रही है कि यह वृद्धि वर्ष 2025 तक वैश्विक औसत को पार कर जाएगी। दरअसल, युवाओं के मामलों को संभालने के लिये एक विशिष्ट केंद्रित दृष्टिकोण की जरूरत होती है। यह देश के कामकाजी वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है। जिसके लिये उन्हें जीवनशैली में बदलाव के लिये प्रेरित किया जा सकता है। साथ ही प्रारंभिक अवस्था में कैंसर का पता लगाने वाली प्रभावी स्क्रीनिंग रणनीति को प्रोत्साहित करके संकट को दूर किया जा सकता है। सही मायनों में भारत को इस छद्म महामारी से मुकाबले के लिये अच्छी तरह से तैयार रहना होगा। यह खतरा बड़ा है और इसमें कैंसर की प्रभावी देखभाल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। समय की जरूरत है कि कैंसर विषयक अनुसंधान को विशिष्ट महत्व दिया जाए। विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष कैंसर के प्रमुख कारकों पर प्रकाश डालते हैं। मसलन शरीर में टैटू गुदवाने वाले लोगों में रक्त कैंसर होने का खतरा ज्यादा होता है। इस तथ्य को युवाओं तक पहुंचाने की आवश्यकता है। कैंसर के खिलाफ जागरूकता के लिये ऐसे कदम उठाने जरूरी हैं। एक बहुआयामी रणनीति ही भारत को सभी बीमारियों से मजबूती से लड़ने में मदद कर सकती है। दरअसल, कैंसर के संकट के मुकाबले के लिये हमारे खानपान में सुधार, सक्रिय जीवनशैली तथा तनावमुक्त जीवन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

देश दुनीया से

यह पूरे तंत्र की विफलता है, निपटने के लिए केंद्र और राज्यों के सम्मिलित प्रयासों की जरूरत

बच्चों के अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, कृष्णानगर में एक इमारत में करीब दो बजे सुबह आग लगी, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी संवेदना व्यक्त की और आश्वासन दिया कि घटनाओं के कारणों की जांच की जा रही है, ताकि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। घनी आबादी और भीड़भाड़ वाले इलाकों में तंग बुनियादी ढांचे के कारण भारत के शहरी क्षेत्र आग लगने जैसी घटनाओं के लिए विशेष रूप से असुरक्षित हैं।

बीते 25 मई को गुजरात के राजकोट में गेमिंग जोन में आग लगने से बच्चों समेत 32 लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने एसआईटी गठित कर जांच शुरू कर दी है। राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मृतकों के परिवार को चार लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। 25 मई की रात ही दिल्ली में आग लगने की दो अलग-अलग घटनाएं हुईं। विवेक विहार में बच्चों के अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, कृष्णानगर में एक इमारत में करीब दो बजे सुबह आग लगी, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी संवेदना व्यक्त की और आश्वासन दिया कि घटनाओं के कारणों की जांच की जा रही है, ताकि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। घनी आबादी और भीड़भाड़ वाले इलाकों में तंग बुनियादी ढांचे के कारण भारत के शहरी क्षेत्र आग लगने जैसी घटनाओं के लिए विशेष रूप से असुरक्षित हैं। जैसे कि वर्ष 2018 में मुंबई के ईएसआईसी कामगार अस्पताल में आग लगी और 2019 में सूरत कोचिंग सेंटर में आग लगने से 22 छात्रों की मौत हो गई। ये घटनाएं बताती हैं कि अतीत की त्रासदियों से पूरी तरह सबक नहीं लिया गया। अतीत में हुए सबसे दुखद उपहार सिनेमा अग्निकांड और भोपाल गैस त्रासदी ने प्रणालीगत सुधारों की जरूरत और उपेक्षा के गंभीर परिणामों को उजागर किया। औद्योगिक सुरक्षा चूक की कई घटनाएं हुई हैं, जो मजबूत शासन और सख्त सुरक्षा नियमों की तत्काल जरूरत को रेखांकित करती हैं। उपहार सिनेमा अग्निकांड एक ऐसी त्रासदी थी, जिसे रोका जा सकता था। 13 जून, 1997 को जब दिल्ली के उपहार सिनेमा में एक लोकप्रिय फिल्म प्रदर्शित हो रही थी, उसी समय खराब ट्रांसफार्मर के कारण आग लग गई, जिसमें 59 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। ज्यादातर पीड़ित दम घुटने के कारण मरे, क्योंकि वे बालकनी वाले इलाके में निकास द्वार के बंद या बाधित होने के कारण फंस गए थे। अग्नि सुरक्षा से संबंधित उचित उपायों और आपातकालीन तैयारियों की कमी के कारण यह त्रासदी और भी गंभीर हो गई। इस अग्निकांड की जांच में घोर लापरवाही और सुरक्षा उपायों का उल्लंघन पाया गया, जैसे कि बचकर भागने के रास्ते बंद थे और अग्निशमन उपकरण उचित रखरखाव के अभाव में खराब थे। उपहार सिनेमा अग्निकांड भवन संहिता (बिल्डिंग कोड) एवं अग्नि सुरक्षा उपायों के सख्त क्रियान्वयन की व्यापक आवश्यकता की याद दिलाता है। यह नियमों के अनुपालन में स्थानीय अधिकारियों की विफलता को भी उजागर करता है, जो शासन के व्यापक मुद्दों को रेखांकित करता है, जिससे केंद्र और राज्य, दोनों स्तरों पर निपटने की जरूरत है। अग्निकांड से अलग प्रणालीगत विफलता का एक और उदाहरण है-भोपाल गैस त्रासदी। 1984 की भोपाल गैस त्रासदी औद्योगिक सुरक्षा की कमी का एक प्रमुख उदाहरण है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर जनहानि हुई। भोपाल में यूनियन कार्बाइड कीटनाशक संयंत्र में मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ, जिसके कारण हजारों लोगों की तत्काल मृत्यु हो गई और पांच लाख से ज्यादा लोगों को लंबे समय तक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ा। यह त्रासदी खराब रखरखाव, अपर्याप्त सुरक्षा प्रोटोकॉल, आपातकालीन स्थितियों में तैयारी की कमी का नतीजा थी। इसके बाद लंबी कानूनी लड़ाइयां चलीं और पीड़ितों को देर से न्याय मिला। इस त्रासदी ने औद्योगिक संयंत्रों के संचालन में सुरक्षा मानकों को लागू करने और नियामक निगरानी के महत्व को उजागर किया। इसने लापरवाही के लिए कंपनियों को जिम्मेदार ठहराने और ऐसी आपदाओं को रोकने के लिए निवारक उपाय सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत कानूनी ढांचे की आवश्यकता को भी प्रदर्शित किया। इस तरह की भयावह घटनाओं के बावजूद हमारे देश के राज्यों में सुरक्षा एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि हमारे देश में हर साल आग लगने की घटनाओं में हजारों लोगों की जान जाती है। बिजली के शॉर्ट-सर्किट, ज्वलनशील सामग्रियों का सही ढंग से भंडारण नहीं करने और सुरक्षा उपायों की उपेक्षा आग लगने के आम कारण होते हैं। हमारे देश में आग के खतरों से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करना-राष्ट्रीय भवन संहिता और अग्नि सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। नियमित निरीक्षण और गैर-अनुपालन के लिए दंड का प्रावधान रहने से लापरवाही को रोका जा सकता है। जन-जागरूकता और प्रशिक्षण- नागरिकों को अग्नि सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर नियमित मॉक ड्रिल (अभ्यास) करने से तैयारी बेहतर हो सकती है।

आप का नजरीया

जानलेवा गर्मी

नये रिकॉर्ड तोड़ती गर्मी स्पष्ट संकेत दे रही है कि समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी टूटेगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। एशिया के अलावा यूरोप व अमेरिकी देशों में भी तापमान में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहा है। निश्चित रूप से यह तापमान उन लोगों के बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवन यापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम आने पर, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है। पेट में पर्याप्त भोजन का अभाव कुपोषण को जन्म देता है। जिसके चलते व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी प्रभाव पड़ता है। लेकिन विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग के हमारे दरवाजे पर दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। दरअसल, गर्मी के प्रभाव से हाइपरटेंशन, निर्जलीकरण, लू लगने के अलावा मानव स्वास्थ्य से जुड़े कई तरह के संकट सामने आ रहे हैं। कई तरह के मानसिक रोगों की भी आशंका जतायी जा रही है। जिसकी वजह से विश्व स्वास्थ्य संगठन सार्वजनिक स्वास्थ्य की आपात स्थितियों के पैदा होने की आशंका जता रहे हैं। बहरहाल, रिकॉर्ड तोड़ते तापमान के दुष्प्रभावों को कम करने के लिये सरकारों को नीतिगत उपायों को लागू करने को प्राथमिकता देनी होगी। सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगह धारा 144 लागू की गई है, जो इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे।

मदरसे के प्रबंधक मौलाना ने छात्रा के साथ की अश्लील हरकतें

सहारनपुर (हिंस)। सहारनपुर के गागलहेडी थानाक्षेत्र में मदरसे में पढ़ने वाली एक छात्रा ने मदरसे के प्रबंधक मौलाना पर उसके साथ अश्लील हरकतें करने का आरोप लगाया है। आरोप यह भी है कि यह मौलाना इससे पहले कई अन्य छात्राओं के साथ भी छेड़छाड़ कर चुका है। कैलाशपुर कस्बे में जामिया सुमैय्या मदसरे में शहीद नामक प्रबंधक पर छात्राओं से छेड़छाड़ करने का आरोप लगा है। उसके रसूख के चलते पुलिस उस पर अब तक कोई कार्यवाही करने में नाकाम रही है। मौलाना को मौके से फरार बताया जा रहा है। सूत्र बता रहे हैं कि छात्रा के परिजनों पर कोई कार्रवाई न करने का दबाव बनाया जा रहा था। गागलहेडी पुलिस को एप्लीकेशन दी पर मौलाना के रसूख के चलते कोई कार्रवाई नहीं हुई। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया है कि मामला संज्ञान में आया है। छात्रा का शिकायती पत्र मिला है। मदरसे की एक आया भी छात्रा पर कुछ न बताने का दबाव बना रही थी। जल्दी मौलाना को गिरफ्तार कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

लोस चुनाव : योगी के गढ़ में भगवा रथ को रोक पाएगी इंडी गठबंधन

गोरखपुर (हिंस)। 17वीं लोकसभा के लिए वर्ष 2019 में हुए चुनाव में प्रदेश के दो प्रमुख दल सपा व बसपा एक साथ चुनाव मैदान में थे। 2014 में केंद्र की सत्ता में आई भाजपा के लिए यह चुनौती कठिन लग रही थी, लेकिन जब ईवीएम से वोटों की गिनती हुई तो गोरखपुर सीट पर भाजपा को संयुक्त प्रत्याशी के मुकाबले बड़ी जीत मिली। 2024 के चुनाव में सपा-कांग्रेस में गठबंधन है। ये सीट सपा के खाते में है। कांग्रेस ने इस सीट पर आखिरी बार चालीस साल पहले जीत दर्ज की थी। वहीं सपा सिर्फ एक बार निषाद पार्टी के साथ मिलकर उपचुनाव में जीत हासिल कर पाई है। इस सीट पर 1991 से भाजपा का कब्जा है। हर चुनाव में उसका वोट शेयर बढ़ा है। ऐसे में अहम सवाल यह है कि सपा-कांग्रेस मिलकर भाजपा के विजयरथ के पहियों पर ब्रेक लगा पाएंगे। 18वीं लोकसभ के चुनाव में इंडी गठबंधन के बैनर तले उप्र में सपा और कांग्रेस का गठबंधन है। सीटों के बंटवारे में 63 सीटों पर सपा और 17 कांग्रेस के खाते में आई है। गोरखपुर सीट सपा के खाते में है। बसपा अकेले मैदान में है। एनडीए में भाजपा, अपना दल सोनेलाल, सुभासपा, निषाद पार्टी और रालोद शामिल हैं। 2019 के आम चुनाव में सपा और बसपा के गठबंधन को राजनीतिक विशलेषक बड़ी ताकत मान रहे थे। लेकिन भाजपा प्रत्याशी रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन ने 3 लाख 1 हजार 664 मतों के अंतर से बड़ी जीत हासिल की थी। रवि किशन को 717, 122 (60.52 प्रतिशत)वोट मिले। सपा प्रत्याशी रामभुआल निषाद के खाते में 415, 458 (35.06 प्रतिशत) वोट आए। कांग्रेस के मधुसूदन त्रिपाठी 22, 972 (1.94 प्रतिशत) वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे। भाजपा और सपा के वोट शेयर में कुल 25.46 फीसदी का बड़ा अंतर था। गोरखपुर सीट पर सपा ने आठ चुनाव लड़े हैं। 2018 में योगी आदित्यनाथ के इस्तीफे के बाद उपचुनाव में निषाद पार्टी के प्रत्याशी प्रवीण कुमार निषाद सपा की टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे। प्रवीण कुमार 49.31 फीसदी वोट पाकर विजयी हुए। भाजपा का वोट शेयर 46.95 फीसदी रहा। प्रवीण करीब 22 हजार मतों के अंतर से जीते। दोनों के वोट शेयर में 2.36 फीसदी का अंतर था। अगर सपा के व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात की जाए तो 1999 के आम चुनाव में 39.97 फीसदी वोट शेयर उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। बता दें, निषाद पार्टी इस चुनाव में एनडीए में शामिल है। सपा ने 2014 का चुना बिना किसी गठबंधन के लड़ा था। चुनाव में सपा को 21.75 फीसदी वोट मिले थे। और कांग्रेस को 4.39 फीसदी वोट शेयर हासिल हुआ था। दोनों के वोट शेयर को मिला दिया जाए तो ये आंकड़ा 26.14 फीसदी का बैठता है। इस चुनाव में भाजपा ने 51.80 फीसदी वोट शेयर के साथ जीत हासिल की थी। भाजपा और सपा-कांग्रेस के संयुक्त वोट शेयर के बीच 25.66 फीसदी का अंतर था। 2009 में सपा (11.09 प्रतिशत) और कांग्रेस (4.04 प्रतिशत) का वोट शेयर संयुक्त रूप से 15.13 फीसदी रहा। भाजपा का वोट शेयर इस चुनाव में 53.85 फीसदी था। दोनों के वोट शेयर में 38.72 फीसदी का अंतर था। 2004 के आम चुनाव में सपा (30.70 प्रतिशत) और कांग्रेस (4.85 प्रतिशत) का वोट शेयर संयुक्त रूप से 35.55 फीसदी रहा। जबकि भाजपा को वोट शेयर 51.30 फीसदी था। भाजपा और सपा-कांग्रेस के वोट शेयर में 15.75 फीसदी का अंतर था। 2004 के पूर्व के चुनाव आंकड़े गवाही देते हैं कि भाजपा के विजयरथ को रोकने की ताकत सपा-कांग्रेस गठजोड़ में नहीं है।

सातवें चरण के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय से पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के निर्देश

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के सातवें और अंतिम चरण की 13 लोकसभा सीटों तथा दुद्धी (अजजा) विधानसभा उप निर्वाचन के लिए एक जून, 2024 को होने वाले मतदान को सकुशल, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए 31 मई, 2024 को मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथों) के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। इसके लिए सातवें चरण के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय से पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सातवें चरण में प्रदेश के 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (अजा), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, राबर्ट्सगंज (अजा) तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र दुद्धी (अजजा) में एक जून को मतदान संपन्न कराया जाएगा। यह सभी सीटें प्रदेश के 11 जनपदों (महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, मऊ,

बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर तथा सोनभद्र) में आते हैं। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, नवदीप रिणवा ने बताया कि सातवें चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान केंदरों एवं मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर मतदाताओं एवं मतदान कर्मिकों को जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। सभी मतदान केंदरों पर शीतल और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की जाएगी, जबकि दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए व्हीलचेयर उपलब्ध होगी। भीषण गर्मी को देखते हुए सभी मतदान केंदरों पर छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है। इसके अतिरिक्त पोलिंग पार्टियों के रवाना होने से पहले सभी मतदान कर्मिकों को हीट स्ट्रोक से बचने और स्वास्थ्य के दृष्टिगत मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे आवश्यकता पड़ने पर मतदान कार्मिक इसका उपयोग कर सकें व मतदाताओं को आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उपलब्ध कराया जा सके।

चौदह चिकित्सा कार्मिकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई

जयपुर (हिंस)। कोटा के सुकेत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दो नवजात की मौत के प्रकरण एवं सीएचसी में काफी समय से चल रही लापरवाही के चलते चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने सख्त एक्शन लेते हुए 14 चिकित्सा कार्मिकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया है तथा ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को एपीओ कर दिया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि सुकेत सीएचसी में चिकित्सा कार्मिकों की लापरवाही से दो नवजात की मृत्यु का प्रकरण जैसे ही सामने आया, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग कोटा जोन के संयुक्त निदेशक से तत्काल जांच करवाकर सख्त एक्शन लिया है। सिंह ने स्पष्ट किया कि प्रकरण में बीसीएमओ द्वारा तीन सदस्यीय कमेटी से मृत्य के कारणों की जांच करायी गयी थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में दोनों नवजात की मृत्यु लू-तापघात से होना नहीं पाया है, लेकिन कमेटी ने पाया कि सीएचसी में चिकित्सा कार्मिकों द्वारा विभिन्न स्तरों पर काफी समय से लापरवाही की जा रही थी। इसके चलते चिकित्सा विभाग की ओर से एक साथ कई कार्मिकों के विरुद्ध एक्शन लिया गया है। उन्होंने कहा कि आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि स्वेच्छा से अनुपस्थित महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता चंद्रावती शर्मा को तत्काल निलंबित कर दिया गया है और बीसीएमओ डॉ. रईस खान को पर्यवेक्षणीय लापरवाही एवं राज्य सरकार के आदेशों की अवहेलना पर एपीओ किया गया है। सीएचसी में कार्यरत चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. अर्पित गुप्ता को बिना अवकाश स्वीकृत कराए स्वेच्छा से कर्तव्य से अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस देते हुए सीसीए नियम-16 के तहत कार्रवाई की जा रही है। प्रसविका पुष्पलता सक्सेना तथा नर्सिंग ऑफिसर बजरंग लाल मीणा, हेमन्त चौधरी, राहुल शर्मा, आशिक, फराज बेग, विजय कुमार पंचौली, नितेश वर्मा एवं तुषार यादव द्वारा कर्तव्य में लापरवाही पर कारण बताओ नोटिस देते हुए सीसीए नियम-16 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। इसी प्रकार डॉ. नेहा सुवालका एवं डॉ. परमजीत सिंह के विरुद्ध कर्तव्य के प्रति लापरवाही पायी जाने पर कारण बताओ नोटिस देते हुए सीसीए नियम -17 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है।

संथाल व पहाड़िया की आबादी घटी, भाजपा सरकार आने पर होगी जांच : बाबूलाल मरांडी

दुमका (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि संथाल परगना क्षेत्र में संथाल, पहाड़िया आदिवासियों की आबादी लगातार कम होना खतरे की घंटी है। जब संथाल में पहाड़िया की आबादी घटी, तब बड़ी किसकी है, यह जांच का विषय है। पाकुड़ के इलाके में पहाड़ियों का गांव उजड़ गए। जहां कभी पहाड़ियां की आबादी थी, वहां घुसपैठियों की बड़ी आबादी है। घुसपैठ हुआ नहीं है, बल्कि जानबूझ कर झामुमो-कांग्रेस ने कराया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी गुरुवार को दुमका के एक होटल में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार के संरक्षण में बांग्लादेशियों के घुसपैठ और अवैध खनन के कारण पाकुड़ एवं साहिबगंज के कई इलाक़ों में संथाल, पहाड़िया आदिवासी विस्थापित हो चुके हैं। उनके बारे में कोई चिंता नहीं करता है। भाजपा की सरकार बनने के बाद विशेष टीम का गठन कर इस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस और झामुमो ने अपने वोट बैंक को लेकर चुप्पी साध ली है। उनके लोगों ने जमीन ही नहीं छीना, बल्कि बहू बेटियों को भी छीना। बेटियों को 50 टुकड़ों में काटकर फेंक दिया। इसके बावजूद इंडी गठबंधन ने आवाज नहीं उठाया। अगर भाजपा आवाज

नहीं उठाती तो किसी पर कोई कार्रवाई नहीं होती। आएदिन इस प्रकार की घटनाएं हो रही है। मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन को भाजपा ने जेल नहीं भेजा है। उन्हें एजेंसी और कोर्ट ने जेल भेजा है। तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को साहिबगंज में हो रहे अवैध पत्थर खनन के प्रति चिट्ठी लिखकर सचेत किया था। इस पर कार्रवाई करने की मांग की थी। मेरे पत्र के आलोक में सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके एक साल बाद बड़ा हादसा हो गया। आज हेमंत सोरेन अवैध पत्थर खनन के मामले में जेल में हैं। मरांडी ने कहा कि रांची के विधायक एवं पूर्व मंत्री सीपी सिंह ने सदन में कहा था कि रांची के तत्कालीन डीसी हथियार का लाइसेंस देने के नाम पर तीन से पांच लाख रुपये ले रहे हैं। इस मामले पर सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। विपक्षी दल के विधायक का काम गलत चीजों को सरकार के संज्ञान में लाना है। कार्रवाई करना सरकार का काम है। आज एजेंसी ने जांच की तो डीसी और हेमंत सोरेन जेल में है। हेमंत सोरेन ने राज्ये को लुटवाया है। संथाल के तीनों लोकसभा सीट पर भाजपा जीत रही है। संथाल के जो हालात है किसी से छुपा नहीं है। यहां के आदिवासी संथाली और पहाड़िया बदहाल है। पीएम मोदी यहां के लोगों के लिए कई योजनाएं ले कर आए। उज्ज्वला गैस, आयुष्मान योजना, बिजली, सड़क जैसे काम पर राज्य की जनता भाजपा के साथ खड़ी है। संथाल के उत्थान के लिए अटल बिहारी भाजपाई ने संथाल समुदाय को 8वीं अनुसूची में शामिल किया। देश की राष्ट्रपति भी आदिवासी है तो साफ संदेश है कि भाजपा आदिवासी की सुनती और काम करती है। उन्होंने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार सिर्फ लूट में लगी है। चार साल में एक भी काम ऐसा नहीं किया, जिससे यहां के लोगों को गर्व हो। सरकार की वजह से संथाल और पहाड़ियां का अस्तित्व ही खतरे में आ गया। संथाल में सिर्फ अवैध खनन, घुसपैठियों और दलालों की चांदी है। यहां के लोग के बदहाली नहीं बदली, बल्कि संथाल में पहाड़ियों की आबादी घट गई। यह एक अलार्मिंग अलर्ट है।

मुख्तार अंसारी के परिवार से बदला लेगा पूर्वांचल का मतदाता : नारद राय

भाजपा में आए नारद के बयानों से पूर्वांचल की चार सीटों पर *अंसारी* केंद्र परिवार बना चर्चा का केंद्र

बलिया (हिंस)। वाराणसी और बलिया समेत पूर्वांचल की चार अहम लोकसभा सीटों पर अंतिम चरण में एक जून को मतदान होना है। इस बीच सपा के कद्दावर नेता पूर्व मंत्री नारद राय के भाजपा में आने से भूमिहारों में सरगर्मी बड़ी है। क्योंकि नारद ने भाजपा में कदम रखते ही माफिया मुख्तार अंसारी को लेकर ताबड़तोड़ बयानबाजी की है। पूर्वांचल की बलिया, गाजीपुर, घोसी व वाराणसी में भूमिहार वोटरों की तादाद ठीक ठाक होने से नारद राय की भाजपा में एंट्री ने गर्मी के तापमान के साथ सियासी तापमान को भी बढ़ा दिया है। नारद राय के बयानों से लोगों को वह दौर याद आने लगा है, जब भाजपा विधायक कृष्णानंद राय व वाराणसी में अवधेश राय की सनसनीखेज हत्या हुई थी। जिसमें आरोप माफिया मुख्तार अंसारी पर लगे थे। भाजपा में आने के बाद पूर्व मंत्री नारद राय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जो पोस्ट किया है, उससे चुनावी समीकरण पर होने वाले प्रभाव की चर्चा होने लगी है। नारद राय ने एक्स पर लिखा है कि *बलिया, गाजीपुर, घोसी व वाराणसी के सम्मानित मतदाता, उस अत्याचारी मुख्तार अंसारी के परिवार से बदला लेने जा रहा है जिसने हमारे दो*

भाई हिंदू हृदय सम्राट कृष्णानंद राय और अवधेश राय की हत्या किया था। केंद्र उन्होंने आगे एक और पोस्ट करते हुए अपील किया है। जिसमें लिखा सम्मानित मतदाताओं से करबद्ध अपील है एक जून को शाम छह तक कमल वाला बटन इतना दबा दें की कब्र में तूफान आ जाए और हमारे दोनों भाइयों की आत्मा को शांति मिले। इसके पहले उन्होंने सपा से अलग होते ही कहा था कि जिस माफिया के परिवार को कभी पार्टी में शामिल कराने पर खफा होकर नेता जी (मुलायम सिंह यादव) से बगावत कर लिया था, आज उनसे इतना मोह हो गया कि उसके इशारे पर अखिलेश यादव पार्टी के फैसले ले रहे हैं। नारद के एकाएक माफिया मुख्तार अंसारी के परिवार पर हमले से चुनावी गणित भाजपा के पक्ष में जाती दिख रही है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर पत्रकार हुए सम्मनित

बेतिया (हिंस)। बिहार राज्य के पश्चिम चंपारण जिला मुख्यालय बेतिया मे आज हिंदी पत्रकारिता दिवस पर भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ ने एक गोष्ठी आयोजित किया जिसमें लगभग 60 पत्रकारों ने भाग लिया। गोष्ठी में एक दर्जन वरीय पत्रकारों को भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ के तरफ से सॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. अमानुल हक ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता को प्रारंभ हुए आज ठीक 198 साल पूरे हो गए हैं। लगभग दो सौ साल के इस सफर में हिंदी पत्रकारिता ने काफी उतार चढ़ाव देखे। आज ही के दिन यानी 30 मई 1826 को *उदन्त मार्तंड* नामक पहला हिंदी समाचार पत्र कलकत्ता से प्रकाशित हुआ था। इसिलए आज का यह दिन हिंदी पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया जाता है। देश का पहला हिंदी समाचार पत्र इस अखबार के प्रकाशक-संपादक पंडित जुगल किशोर शुक्ल थे।

सड़क नहीं तो वोट नहीं मांग को लेकर ग्रामीण करेंगे वोट बहिष्कार

बिहारशरीफ (हिंस)। हरनौत प्रखंड के सोराडीह पंचायत अंतर्गत जगतपुर गांव में गुरुवार को ग्रामीणों ने रोड नहीं तो वोट नहीं के नारा के साथ प्रर्दशन किया तथा जनप्रतिनिधियों व प्रशासन के विरोध में जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना कि विगत 20 वर्षों से लगातार सड़क निर्माण हेतु (जगतपुर छठ घाट से जगतपुर गांव तक एवं देवी स्थान से होते हुए जगतपुर गांव तक) जनप्रतिनिधियों से मांग करने के बावजूद आज तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है। जगतपुर गांव का मुख्य निकास का पक्कीकरण न होने से समस्त ग्राम वासियों को पूरे वर्ष काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बरसात के मौसम में 3 महीना अवागमन पूर्ण रूप से बंद हो जाने के कारण समस्त ग्रामवासियों का जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है।

बार-बार जनप्रतिनिधियों से सड़क का मांग करने के बावजूद सड़क का निर्माण न कराया जाना समस्त समस्त ग्राम वासियों के अनुरोध को अनदेखा करने जैसा है। इस कारण समस्त ग्रामवासियों ने निर्णय लिया है कि लोस आम निर्वाचन 2024 का पूर्ण रूप से बहिष्कार करूंगा। ग्रामीणों ने कहा कि इस कच्ची पगडंडी के सहारेगॉव के लोगों का छठ घाठ, खेतों में फसल लाने हेतु आवागमन, अर्थी, शादी-ब्याह समारोह समारोह सम्पन्न होता है। लेकिन एकबार भी गांव का न निरीक्षण किया और न निर्माण को लेकर कोई पहल की गई। इस बार रोड नहीं तो वोट नहीं का नारा देकर ग्रामीण वोट का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार पगडंडी वाली सड़क से गुजरते समय सड़क के किनारे पईन में भी गीर जाते हैं। इस संबंध बीडीओ उज्जवल कांत ने बताया कि जगतपुर गांव में वोट बहिष्कार करने की सूचना मिली है। वहां पर सेक्टर पदाधिकारी को भेजा गया है।

आदेश के बावजूद कई निजी विद्यालय रही खुली

अररिया (हिंस)। भीषण गर्मी और लू के मद्देनजर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आदेश पर मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा ने राज्य के सभी डीएम को पत्र लिखकर 8 जून तक स्कूल बंद करने का निर्देश जारी किया था। बुधवार को जारी पत्र में गुरुवार से ही 8 जून तक सभी सरकारी और निजी विद्यालय बंद करने का निर्देश दिया गया था। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के आदेश का अररिया जिला मुख्यलय में तो असर देखने को मिला। यहां सरकारी विद्यालयों के साथ साथ सभी निजी विद्यालय आदेश के आलोक में बंद रही, लेकिन जिला मुख्यालय से अलग फारबिसगंज, नरपतगंज, कुर्साकांटा, सिकटी आदि प्रखंडों और उनके ग्रामीण इलाकों में कई निजी विद्यालय खुली दिखी, जहां नित्य दिन के भांति छात्र छात्रा स्कूल पहुंचे और स्कूल में पठन पाठन किया। वहीं कई स्कूल प्रबंधन ने आज स्कूल में पठन पाठन संपन्न कराने के बाद आदेश के आलोक में शुक्रवार से स्कूल बंद करने का फरमान जारी किया है।

जदयू जिला सचिव के भाई की अज्ञात अपराधियों ने की हत्या

भागलपुर (हिंस)। जिले के अकबरनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार को जदयू जिला सचिव के भाई की हत्या अज्ञात अपराधियो ने कर दिया है। किशनपुर पंचायत के भवनाथपुर सड़क से 200 मीटर के दुरी से एक व्यक्ति का शव पुलिस ने बरामद किया है। शव की पहचान किशनपुर पंचायत के रहने वाले महेश राय के 37 वर्षीय पुत्र अवीनीश कांत राय के रुप में हुआ है। अज्ञात अपराधियो के द्वारा सर में कुल्हाड़ी से मारकर हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है। उधर घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची अकबरनगर थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दूसरी ओर मृतक के परिजन का आरोप है कि जमीनी विवाद में हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पूर्व सरपंच पति ने अंतिम संस्कार करने से रोका, मां की अर्थी को लेकर धूप में बैठे रहे बेटे

दौसा (हिंस)। बांदीकुई के फुलेला गांव में मां की अर्थी लेकर श्मशान पहुंचे बेटों और परिजनों को अंतिम संस्कार करने से रोक दिया। गांव की पूर्व सरपंच का पति श्मशान की भूमि को खुद का दावा कर रहा था। करीब चार घंटे तक परिजन अर्थी को लेकर धूप में बैठे रहे। सूचना पर जब पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा तो मामला शांत हुआ। इसके बाद अंतिम संस्कार हो सका। फुलेला गांव में भौरी देवी (90) का बुधवार शाम को निधन हो गया। उनके दो बेटे गुलाब और प्रेमसिंह हैं। दोनों दिल्ली में रहते हैं, वहीं मजदूरी करते हैं। हालांकि गुलाब मां की तबीयत खराब होने की सूचना पर दो दिन पहले घर आ गया था। मां के निधन की सूचना पर प्रेमसिंह भी गांव पहुंच गया। परिजन और ग्रामीणों के साथ दोनों बेटे गुरुवार सुबह करीब 7:45 बजे मां का दाह संस्कार करने के लिए घर से निकले थे। फुलेला गांव में बस स्टैंड से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर परिजन अर्थी लेकर श्मशान घाट पर पहुंचे। इस बीच, पूर्व सरपंच लाडो देवी का पति भगवान सहाय भी वहां पहुंच गया और अपनी जमीन का दावा करते हुए दाह संस्कार नहीं होने दिया। करीब चार घंटे तक दोनों के बीच विवाद चला। इस दौरान ग्रामीण महिला की अर्थी लेकर धूप में बैठे रहे। सूचना पर बसवा तहसीलदार अनु शर्मा और थाना प्रभारी सचिन शर्मा मौके पर पहुंचे। समझाइश के बाद दोपहर करीब 12 बजे मामला शांत हुआ। इसके बाद महिला का अंतिम संस्कार करवाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से इसी श्मशान में अंतिम संस्कार करते आए हैं। उन्होंने भगवान सहाय पर जमीन पर कब्जा करने के साथ ही जेसीबी से उसे खुर्द-बुर्द करने और ईंट भट्टे के लिए मिट्टी निकालने का आरोप भी लगाया। तहसीलदार अनु शर्मा ने बताया कि महिला के दाह संस्कार करने को लेकर विवाद था। अंतिम संस्कार करने वाली जमीन पर भगवान सहाय अपना अधिकार होने की बात कह रहा था, लेकिन यह

जमीन सरकारी है। मामला भी अदालत में है। अभी तक जमीन रिकॉर्ड में सरकारी है। इसलिए इस पर किसी का अधिकार होने की बात गलत है। दाह संस्कार करने आए लोगों का कहना था कि वे वर्षों से इसी जमीन पर दाह संस्कार कर रहे हैं। लेकिन, कुछ लोगों ने यहां अतिक्रमण कर लिया है। थाना प्रभारी सचिन शर्मा ने बताया कि श्मशान वर्षों पुराना बताया जा रहा है, जहां लोग अंतिम संस्कार करते आए हैं। दोनों पक्षों से समझाइश कर महिला का अंतिम संस्कार करवाया गया है। बसवा एसडीएम रेखा मीणा ने कहा कि जिस जगह लोग महिला का दाह संस्कार करना चाहते थे, वह जमीन सरकारी है। लेकिन, वहां कोई श्मशान नहीं है। जहां रिकॉर्डेड श्मशान है, वहां ये लोग अंतिम संस्कार करने नहीं गए। लेकिन, मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखकर समझाइश के बाद सरकारी जमीन पर दाह संस्कार करने की इजाजत दी है। सरकारी जमीन को खुद की बताकर दाह संस्कार से रोकना गलत है। हमने उसे पाबंद कर दिया है। साथ ही जमीन से किसी प्रकार की मिट्टी नहीं लेने के भी निर्देश दिए हैं। इसके अलावा आज के बाद इस जमीन पर कोई दाह संस्कार नहीं हो, इसके लिए भी हमने कुछ लोगों को पाबंद किया है। जहां श्मशान भूमि आवंटित है, वहीं पर दाह संस्कार करने के लिए कहा गया है। बाकी इस प्रकार दाह संस्कार के लिए 4 घंटे तक किसी को रोकना गलत है। इसके लिए हम उन्हें पाबंद करने की कार्रवाई कर रहे हैं। इधर, पूर्व सरपंच के पति भगवान सहाय का कहना है कि यह जमीन मेरी खातेदारी की है। मेरा संभागीय स्तर पर केस भी चल रहा है। इस पर जबरन दाह संस्कार करना गलत है।

चालू वित्त वर्ष 2025 में 7 फीसदी की दर से बढ़ेगी भारतीय इकोनॉमी, जीडीपी ग्रोथ को लेकर आरबीआई ने लगाया अनुमान

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक ने आज अपनी वार्षिक रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट में केंद्रीय बैंक ने कहा कि चालू कारोबारी साल में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी से बढ़ने की संभावना है।

केंद्रीय बैंक के रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2023024 से भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने को मिली है। देश की कल घरेलू उत्पाद की वृद्धि पिछले वर्ष के 7.0 प्रतिशत से बढ़कर 7.6 प्रतिशत हो गई। लगातार तीन साल से सकल घरेलू उत्पाद में तेजी आई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर समान रूप से संतुलित जोखिम के साथ 7.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने लगातार प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद वित्त वर्ष 24 में लचीलापन दिखाया।

आरबीआई ने एमएसपी को लेकर क्या कहा

रिजर्व बैंक ने अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा कि पिछले कारोबारी साल 2023-24 के खरीफ और रबी के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य सभी फसलों की उत्पादन लागत पर 50 फीसदी का न्यूनतम रिटर्न सुनिश्चित किया है। पिछले कारोबारी साल यानी 31 मार्च, 2024 को खाद्यान्न का कुल सार्वजनिक स्टॉक कुल तिमाही बफर मानक का 2.9 गुना था।

पिछले साल 29 नवंबर, 2023 को सरकार ने प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण की योजना को 1 जनवरी, 2024 से पांच और वर्षों के लिए बढ़ा दिया।

आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल की एक वैधानिक रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि और संबद्ध गतिविधियों को असमान और कम दक्षिण-पश्चिम मानसून (एसडब्ल्यूएम) वर्षा के साथ-साथ मजबूत अल नीनो स्थितियों के कारण प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

सोना-चांदी के दाम में आई गिरावट, सोने के वायदा भाव 72 हजार, चांदी लगभग 95,800 रुपये

नई दिल्ली । देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। चांदी वायदा के भाव सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 95,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 61 रुपये की गिरावट के साथ 72,132 रुपये के भाव पर खुलकर 202 रुपये की गिरावट के साथ 71,991 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत नरम रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 362 रुपये की गिरावट के साथ 95,800 रुपये पर खुलकर 1,396 रुपये की गिरावट के साथ 94,766 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,336.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,341.20 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 8.40 डॉलर की गिरावट के साथ 2,332.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.17 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 32.37 डॉलर था। फिलहाल यह 0.60 डॉलर की गिरावट के साथ

बीमा कंपनी एक घंटे में नकदी-रहित इलाज की अनुमति देने पर निर्णय लें: इरडा

नई दिल्ली । बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने स्वास्थ्य बीमा पर एक मूल परिपत्र जारी कर स्पष्ट किया है कि बीमा कंपनी को अनुरोध के एक घंटे के भीतर नकदी-रहित इलाज की अनुमति देने पर निर्णय लेना होगा। इरडा ने बयान में कहा कि स्वास्थ्य बीमा उत्पादों पर परिपत्र ने पहले जारी किए गए 55 परिपत्रों को निरस्त कर दिया है। यह बीमाधारकों के सशक्तीकरण को सुदृढ़ करने और समावेशी स्वास्थ्य बीमा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीमा नियामक ने कहा कि परिपत्र में बीमाधारक, संभावितों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य बीमा नीति में पात्रताओं को उनके आसान संदर्भ के लिए एक स्थान पर लाया गया है और साथ ही स्वास्थ्य बीमा खरीदने वाले पॉलिसीधारक को निर्बाध, तेज दावा अनुभव प्रदान करने और स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में उन्नत सेवा मानकों को सुनिश्चित करने के उपायों पर जोर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि बीमा कंपनियों द्वारा सभी आयु, क्षेत्रों, चिकित्सा स्थितियों, सभी प्रकार के अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए विविध बीमा उत्पादों की पेशकश करके बीमाधारकों की सामर्थ्य के अनुरूप व्यापक विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे। इसमें ग्राहक सूचना पत्र (सीआईएस) का भी उल्लेख किया गया है, जो बीमा कंपनी द्वारा प्रत्येक बीमा दस्तावेज के साथ प्रदान किया जाता है।

एयरबैग को माना जाता है सबसे बेहतर सेफ्टी उपकरण

नई दिल्ली । दुनिया भर में एयरबैग को सबसे बेहतर सेफ्टी उपकरण के तौर पर माना जाता है। एयरबैग

आमतौर पर पॉलिएस्टर की तरह की मजबूत टेक्सटाइल या कपड़े से बना एक गुब्बारे जैसा कवर होता है। दुनिया में सबसे पहले एयरबैग को 1950 के दशक में खोजा गया था। यह एक सुरक्षा उपकरण है। कंपनियां इसे कार के स्टीयरिंग व्हील, दरवाजे और डैशबोर्ड पर लगाती हैं। जब भी एक्सीडेंट की स्थिति निर्मित होती है तो खतरे का अहसास करके एयरबैग पलभर में खुल जाता है और चोट या मौत की आशंका को कम करता है। एयरबैग, कार के सेंसर से कनेक्ट रहता है। ये सेंसर कार की टक्कर होने पर एक्टिव हो जाते हैं और एयरबैग तक मैसेज भेजते हैं। इसके बाद एयरबैग झट से खुल जाते हैं। ये प्रक्रिया बेहद तेजी से होती है। बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा भारतीय कारों में साल 2019 से अनिवार्य कर दिया गया है। मार्च 2022 में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में कहा था कि अगर कारों में फंक्शनल एयरबैग का इस्तेमाल किया गया होता तो साल 2020 में देश भर में 13,022 लोगों की जान बचाई जा सकती थी।

स्पेस स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस ने अग्निबाण एसओआरटीईडी 01 को सफलतापूर्व लॉन्च किया, इसरो ने दी बधाई

नई दिल्ली ।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया है कि स्पेस स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस ने श्रीहरिकोटा स्थित अपने लॉन्च पैड से अग्निबाण (सबऑर्बिटल टेक डिमॉन्स्ट्रेटर) एसओआरटीईडी-01 मिशन को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित कर दिया है। इसरो ने प्रक्षेपण को एक प्रमुख मील का पत्थर करार देते हुए अग्निकुल कॉसमॉस को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा, अग्निबाण एसओआरटीईडी-01 मिशन के प्रक्षेपण पैड से सफल प्रक्षेपण के लिए अग्निकुल कॉसमॉस को बधाई। यह इंजन परीक्षण अग्निकुल के अपने डेटा अधिग्रहण प्रणालियों और उड़ान कंप्यूटरों द्वारा संचालित है, जो 100 प्रतिशत इन-हाउस डिजाइन किए गए थे। इसके अलावा, यह परीक्षण वाहन के संपूर्ण प्रणोदन प्रणाली को नियंत्रित करने के लिए वाहन की संपूर्ण एवियोनिक्स श्रृंखला की क्षमता को भी साबित करता है। लगभग 700 किमी ऊंची कक्षाओं में 300 किलोग्राम तक ले जाने में सक्षम, अग्निबाण निम्न और उच्च दोनों झुकाव कक्षाओं तक पहुंच सकता है और पूरी तरह से मोबाइल है। इसे 10 से अधिक लॉन्च पोर्ट तक पहुंचने के लिए डिजाइन किया गया है। अपने सभी चरणों में एलओएक्स/केरोसिन इंजन द्वारा संचालित, अग्निबाण ग्राहक द्वारा कॉन्फ़िगर करने योग्य है। मिशन, उपग्रह और लॉन्च पोर्ट ही तय करेंगे कि पहले चरण में कितने इंजन जाएंगे। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने अग्निकुल कॉसमॉस को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी शार), श्रीहरिकोटा के भीतर अग्निकुल के अपने और भारत के एकमात्र निजी लॉन्चपैड से अपना पहला प्रक्षेपण सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए बधाई दी। वर्ष 2023 में पराक्रम के शानदार प्रदर्शन में भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग और भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-एल1 के सफल प्रक्षेपण के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ। इन मील के पत्थर ने न केवल वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को सुरक्षित किया बल्कि भारत में निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए इंजनों को भी ईंधन दिया।

रुपया दो पैसे गिरकर 83.42 डॉलर

मुंबई । अस्थिर घरेलू शेयर बाजारों के बीच विदेशी पूंजी की निकासी से रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.42 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मजबूत अमेरिकी मुद्रा ने भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला, जबकि कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने रुपये की गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.42 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद फिसलकर 83.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, जल्द ही मजबूत होकर वापस 83.42 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.10 पर रहा।

एलन मस्क के सिर पर फिर से सजा दुनिया के अमीर व्यक्ति का ताज, क्या मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी टॉप-10 की लिस्ट में है शामिल

नई दिल्ली।

भारत के सबसे अमीर व्यक्ति कौन है। इसके बारे में तो आप जानते होंगे। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा संपत्ति किसके पास है। फोर्ब्स ने दुनिया के अमीर व्यक्ति की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट के अनुसार एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। उनके पास कुल 209.7 बिलियन डॉलर (करीब 17.48 लाख करोड़ रुपये) की संपत्ति है। वहीं दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति अमेजन कंपनी के मालिक जेफ बेजोस है। इनकी टोटल नेट वर्थ 199.9 बिलियन डॉलर है। आइए, जानते हैं कि दुनिया के टॉप-10 अमीर व्यक्ति की लिस्ट में कौन-कौन से नाम शामिल है। दुनिया के टॉप-10 अमीर व्यक्ति फोर्ब्स की लिस्ट के अनुसार दुनिया के तीसरे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अरनॉल्ट है। बर्नार्ड अरनॉल्ट एलवीएमएच के मालिक है। इनकी टोटल नेट वर्थ 199.3 बिलियन डॉलर है। इस लिस्ट में चौथे स्थान पर फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग हैं। मार्क जुकरबर्ग के पास 166.4 अरब डॉलर की टोटल संपत्ति है। वहीं, पांचवें नंबर पर लैरी एलिसन और छठे स्थान पर लैरी पेज है। इसी तरह सातवें पायदान पर सर्गेई ब्रिन और आठवें पायदान पर वॉरेन बफे है। वहीं टॉप-9 पर माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स हैं। बिल गेट्स की कुल नेट वर्थ 129.8 बिलियन डॉलर है। वहीं, टॉप-10 पर स्टीव बाल्मर है, जिनकी नेट वर्थ 126.5 अरब डॉलर है। किस पायदान पर हैं भारतीय अरबपति दुनिया के टॉप-10 अमीरों की लिस्ट से मुकेश अंबानी बाहर हो गए हैं। मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 2.1 बिलियन डॉलर की गिरावट आई। इस गिरावट की वजह से वह दुनिया के 12वें अमीर व्यक्ति है। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 112.8 अरब डॉलर है। वहीं अदाणी ग्रुप के मालिक गौतम अदाणी की नेटवर्थ में 10 मिलियन की गिरावट आई। इस गिरावट के बाद उनकी नेटवर्थ 86.2 बिलियन डॉलर हो गई है। गौतम अदाणी दुनिया के अमीर व्यक्ति की लिस्ट में 18वें पायदान पर हैं।

जापान के राजदूत से मिले गौतम अदाणी सोशल मीडिया पर पोस्ट लिख कही यह बात

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने ट्वीट कर जापान के राजदूत हिरोशी सुजुकी के साथ मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारे बीच बहुत ही आकर्षक चर्चा हुई। हम उनके मुंद्रा बंदरगाह और खावड़ा की यात्रा के लिए आभारी हैं, जहां हम 30 गीगावॉट क्षमता के दुनिया के सबसे बड़े हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा पार्क का निर्माण कर रहे हैं।

अदाणी ने लिखा, भारत की संस्कृति के लिए जपानी राजदूत की सराहना, हमारी साझेदारी के लिए उनकी ओर से दिया जाने वाला महत्व और भारत के लिए उनका जबरदस्त समर्थन वास्तव में प्रेरणादायक है।

पोको एक्स6 5जी को काफी सस्ते दाम पर खरीदने का मौका फटाफट चार्ज हो जाएगी इसकी 5100 एमएएच वाली बैटरी

नई दिल्ली ।

भारत में पोको एक्स6 5जी को काफी सस्ते दाम पर खरीदने का मौका दिया जा रहा है।अमेज़न के मोबाइल सेगमेंट पेज पर कई फोन पर दमदार डील दी जा रही है। यहीं पर लाइव हुए एक बैनर से पता चला है कि पोको एक्स6 5जी को 24,999 रुपये के बजाए 17,999 रुपये में खरीदा जा सकता है.यानी कि इसकी खरीद पर करीब 7000 रुपये का फायदा पाया जा सकता है।

बता दें कि इस कीमत के साथ बैंक ऑफर जुड़ा हुआ है। इस फोन की सबसे खास बात इसका 120एचझेड अमोलेड डिस्प्ले दी गई है।अगर आपके बजट में ये फोन हैं और नया फोन खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आइए इस फोन के सभी फीचर्स के बारे में जान लेते हैं.पोको एक्स6 5जी मोबाइल में यूज़र्स को 6.67 इंच का 1.5के अमोलेड डॉट डिस्प्ले दिया गया है।इसपर 120एचझेड रिफ्रेश रेट, 2160 एचझेड टच सैंपलिंग रेट, 1800 निट्स

पीक ब्राइटनेस और सेफ्टी के लिए कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास का प्रोटेक्शन मिल जाता है। परफॉरमेंस के लिए फोन में ऑक्टा कोर 2.4जीएचझेड वाला स्नैपड्रैगन 7एस जेन 2 चिपसेट मिलता है। यह चिप 4 नैनोमीटर प्रोसेस पर बेस्ड है इसके साथ एन्ड्रेनो 710 जीपीयू भी मौजूद है। पोको एक्स6 5जी स्मार्टफोन एंड्रॉयड 13 पर बेस्ड एमआईयूआई 14 पर काम करता है।

पावर के लिए इस फोन में तगड़ी 5,100एमएएच की बैटरी दी गई है, और इसको चार्ज करने के लिए 67वॉट की टर्बो चार्जिंग मिलती है।कनेक्टिविटी के लिए इसमें डुअल सिम 5जी, 4जीएलटीई, वाई-फाई, ब्लूटूथ 5.2 जैसे कई फीचर्स मिल जाते हैं।डिवाइस में डुअल स्पीकर, डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट दिया गया है।कैमरे के तौर पर पोको एक्स6 में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप मिलता है, जिसमें ऑप्टिकल इमेज स्टेबलाइजेशन सपोर्ट के साथ 64 मेगापिक्सल का प्राइमरी, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा वाइड एंगल लेंस और 2 मेगापिक्सल का माइक्रो सेंसर मिलता है।वहीं, सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए फोन में 16 मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा सपोर्ट मिलता है।

मझगांव डॉक का चौथी-तिमाही में मुनाफा दोगुना हुआ

सालाना आधार पर 326 करोड़ से बढ़कर 663 करोड़ पहुंचा, एक साल में 322 प्रतिशत चढ़ा शेयर

मुंबई।

जहाज बनाने वाली सरकारी कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड का वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार पर दोगुना होकर 663 करोड़ रुपए हो गया है। एक साल पहले की समान तिमाही में नेट प्रॉफिट 326 करोड़ रहा था।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 12.11 प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं। मझगांव डॉक ने चौथी तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए।

बीते एक साल में मझगांव डॉक ने 321.88 प्रतिशत रिटर्न दिया

मझगांव डॉक का शेयर 11.10 प्रतिशत बढ़कर 3,374 रुपए पर बंद हुआ। इसने बीते एक साल में 321.88 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। मझगांव डॉक के शेयर 12 अक्टूबर 2020 को बाजार में लिस्ट हुए थे। इसका इश्यू प्राइस

145 रुपए प्रति शेयर था। वहीं इसकी लिस्टिंग 190 रुपए पर हुई थी।

वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का मुनाफा 73.09 प्रतिशत बढ़ा

मझगांव डॉक का पूरे वित्त वर्ष 2024 में मुनाफा 73.09 प्रतिशत बढ़कर 1,936.97 करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2023 में मुनाफा 1,119.03 करोड़ रहा था।

1774 में ड्राय डॉक बनाने से हुई थी कंपनी की शुरुआत

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड जहाज बनाने वाली लीडिंग सरकारी कंपनी है। इसका इतिहास 1774 से मिलता है, जब मझगांव में एक छोटा ड्राय डॉक बनाया गया था। धीरे-धीरे से बढ़ती गई और 1934 में एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के रूप में इनकॉरपोरेट किया गया।

1960 में सरकार ने इसका टेकओवर कर लिया जिसके बाद, मझगांव डॉक तेजी से विकसित हुई और भारत की प्रमुख वॉर-शिपबिल्डिंग यार्ड बन गई। 1960 के बाद से, मझगांव डॉक ने कुल 801 जहाजों का निर्माण किया है। इसमें 27 वॉरशिप्स और 7 सबमरीन शामिल है।

पूरे साल में रेवेन्यू 21 प्रतिशत बढ़कर 9466.58 करोड़

मझगांव डॉक का रेवेन्यू यानी आय पूरे साल में 21 प्रतिशत बढ़कर 9466.58 करोड़ रही। रेवेन्यू 7827.18 रहा था। वहीं चौथी तिमाही में रेवेन्यू 50 प्रतिशत बढ़कर 3,103.6 करोड़ हो गया है। एक साल पहले की समान अवधि में रेवेन्यू 2,078.6 करोड़ रहा था।

कंपनी ने भारत के साथ-साथ विदेशों में विभिन्न ग्राहकों के लिए कार्गो शिप, पैसेंजर शिप, सप्लाई वेसल्स, मल्टीपर्पज सपोर्ट वेसल, वॉटर टैंकर्स की भी डिलीवरी की है। मार्च तिमाही तक 84.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सरकार मझगांव डॉक में सबसे बड़ी शेयरधारक बनी हुई है।

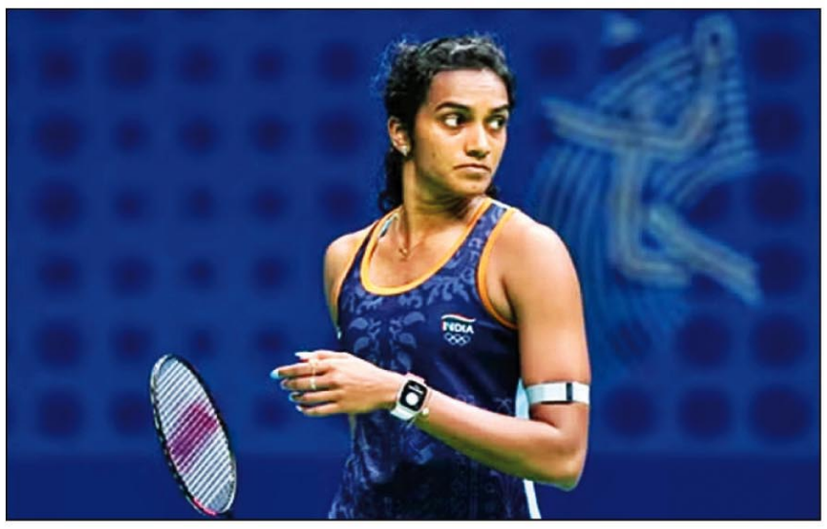

पीवी सिंधू की जीत के साथ शुरुआत, डेनमार्क की होजमार्क को 44 मिनट में हराया; लक्ष्य बाहर

सिंगापुर ।
भारतीय शटलर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने सिंगापुर ओपन 2024 के पहले दौर में डेनमार्क की लाइन होजमार्क काजेर्सफेल्ट के खिलाफ आसान जीत हासिल की। सिंधू ने महिला एकल के पहले दौर के मैच में अपने डेनिश प्रतिद्वंद्वी को 21-12, 22-20 से हराया। यह मैच 44 मिनट तक चला। खेल में शुरू से ही सिंधू का दबदबा रहा। उन्होंने पहला सेट आसानी से 21-12 से जीता। दूसरे सेट में होजमार्क ने वापसी की कोशिश की, लेकिन सिंधू ने 22-20 से जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली।

लक्ष्य सेन कड़े मुकाबले में हारे - लक्ष्य सेन दुनिया के नंबर एक विक्टर एक्सेलसेन से हारकर बाहर हो गए। पेरिस में अपना ओलंपिक डेब्यू करने वाले दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने एक्सेलसेन के सामने कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन 62 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21 21-16 13-21 से हार गए। एक्सेलसेन ने पिछले हफ्ते थाईलैंड ओपन में सत्र का पहला खिताब जीता था। वहीं, किदाम्बी श्रीकांत को पहले दौर के मुकाबले में जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका के खिलाफ 14-21 3-11 से पिछड़ने के बाद रिटायर होना पड़ा।

सिंधू मलयेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंची थीं - इससे पहले सिंधू को मलयेशिया मास्टर्स के फाइनल में चीन की वांग झी यी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय शटलर महिला एकल के खिताबी मैच में अपने चीनी प्रतिद्वंद्वी से 21-16, 5-21 और 16-21 से हार गईं थीं। वहीं, वांग झी से मुकाबले से पहले मलयेशिया मास्टर्स में सिंधू ने सेमीफाइनल मैच में बुसानन ओंगबामरुंगफान को 13-21, 21-16, 21-12 से हराया था। सिंधू 2023 स्पेन मास्टर्स के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं।

सात्विक-चिराग उलटफेर का शिकार - इससे पहले दुनिया की नंबर एक पुरुष एकल बैडमिंटन जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को सिंगापुर ओपन में अपने पहले ही दौर के मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।चिराग और सात्विक को डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड की 34वीं रैंकिंग की जोड़ी ने 47 मिनट तक चले मुकाबले में 20-22, 18-21 से हरा दिया।

न्यूज ब्रीफ

टेलर ने विराट को बताया खेल का वैश्विक सुपरस्टार

क्राइस्टचर्च । न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर रॉस टेलर ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर सराहना करते हुए कहा कि वह खेल की दुनिया में एक वैश्विक सुपरस्टार हैं। टेलर ने कहा कि आने वाले दिनों में विराट दुनिया का भी वैश्विक सुपरस्टार बन जाएगा। इसके साथ ही वह इंस्टाग्राम और सोशल मीडिया पर फुटबॉल स्टार रोनाल्डो और मेसी की बराबरी कर लेगा। टेलर ने कहा कि मुझे लगता है कि फिल्म सितारे, बॉलीवुड सितारे, राजनेता सभी अब सोशल मीडिया के कारण सभी की नजरों में हैं और इसमें कुछ गलत भी नहीं है। वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि सोशल मीडिया के आने के बाद मोबाइल कैमरा सबसे अच्छी और सबसे खराब चीज थी। ली ने कहा कि साल 2000 के दशक की शुरुआत में जब फोन आए थे, लोग आपके साथ एक फोटो लेते थे। एक ऑटोग्राफ और एक तस्वीर होती थी। साल 2015 और 2020 के मध्य में अब क्या होता है कि खिलाड़ी हमेशा शो में रहते हैं। कोई भी जो इंडियन प्रीमियर लीग में खेल रहे हैं, वे हमेशा शो में रहते हैं, वे डिनर के लिए बाहर जाते हैं। ली ने कहा कि फोन कैमरा की अच्छी बात यह है कि आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ खूबसूरत यादें कैद कर सकते हैं पर इससे हमारी गोपनीयता प्रभावित हुई है। अगर आप अपने परिवार, अपने प्रियजनों, दोस्तों के साथ डिनर कर रहे हैं अचानक ही कोई एक तस्वीर ले लेता है और यह तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। अब, आपको भी इससे निपटने और इसे स्वीकार करने में सक्षम होना होगा। वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल बेवन ने कहा कि सोशल मीडिया युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। बेवन ने कहा कि युवा पीढ़ी सोशल मीडिया का अधिक उपयोग करती है इससे उनके करियर पर प्रभाव पड़ेगा। उन्हें यह निर्णय लेना होगा कि वे टिप्पणियां पढ़ना चाहते हैं या कितना पोस्ट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं कल्पना कर सकता हूं कि आधुनिक समय के कुछ खिलाड़ियों के लिए यह आसान नहीं रहेगा।

कप्तान के तौर पर दूसरी बार विश्वकप में उतरेंगे रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित दूसरी बार टी20 टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं।

इससे पहले रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने एकदिवसीय विश्वकप खेला था जिससे उसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में इस बार रोहित का लक्ष्य किसी भी प्रकार से खिताब जीतना रहेगा। रोहित ने अपनी कप्तानी को लेकर कहा कि उनका लक्ष्य मैच में किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए अपने को तैयार करना रहता है। साथ ही कहा कि एक कप्तान के तौर पर सबसे कठिन काम सभी को संभालना रहता है। साथ ही कहा कि कप्तान के दौरान उन्होंने सीखा है कि किस प्रकार सभी को सम्मान और महत्व देना होता है जिससे कि वे अपने को टीम का अहम हिस्सा समझते हुए जिम्मेदारी निभा सकें। इसके अलावा जब वे किसी परेशानी में आपके पास आते हैं तो उनकी समस्या का हल निकालन होता है। इसलिए वह मैदान पर उतरने से पहले विपक्षी टीम और खिलाड़ियों के बारे में जानकारी हासिल करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे दोनों ही क्षेत्रों एक कप्तान और एक खिलाड़ी के रूप में तैयारी करनी होती है। मेरे लिए मैदान और प्रतिद्वंद्वी के बारे में सीखना अहम होता है। मैं बैठक कक्षों में जाता हूं और बहुत समय बिताता हूं। यह खिलाड़ियों के लिए नहीं बल्कि केवल मेरे लिए है जिससे कोई भी स्थिति आने पर मैं जवाब दे सकूं।

विश्व रैकेटलान चैंपियनशिप में भारत की कप्तानी करेंगे विक्रमादित्य

नई दिल्ली। विक्रमादित्य चौफला को रोटरडम में 31 जुलाई से चार अगस्त तक होने वाली विश्व रैकेटलान चैंपियनशिप के लिए छह सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। चैंपियनशिप नीदरलैंड्स के रोटरडैम शहर में होगी। रैकेटलान एक संयुक्त खेल है जिसमें प्रतिस्पर्धियों को चार रैकेट खेल टेबल टेनिस, बैडमिंटन, टेनिस और स्क्वाश खेलना होता है। पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी विक्रमादित्य पिछली दो विश्व चैंपियनशिप में भी भारत की रैकेटलान टीम का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने 2022 में राटरडैम में हुई चैंपियनशिप में व्यक्तिगत स्पर्धा का रजत पदक जीता था। टीम में विक्रमादित्य के अलावा निहित कुमार सिंह, करण तनेजा, प्रशांत सेन निखिल मनसुखानी और एकमात्र महिला खिलाड़ी नयना तनेजा शामिल हैं। भारतीय रैकेटलान खेल संघ ने टीम की घोषणा की। कप्तान बनाए जाने पर विक्रमादित्य ने कहा, विश्व चैंपियनशिप में तीसरी बार देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गौरव की बात है।

भारत-पाकिस्तान मैच में आतंकी हमले की धमकी

टी-20 वर्ल्ड कप का यह मुकाबला 9 जून को न्यूयॉर्क में होगा, सुरक्षा बढ़ाई गई

नई दिल्ली ।
टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबले के दौरान आतंकी हमले की धमकी दी गई है। यह मैच 9 जून को न्यूयॉर्क में आइसनहोवर पार्क में बने नसाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। खतरे को देखते हुए शहर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

आतंकी संगठन आईएसआईएस खोरासन ने वीडियो जारी करके अपने हमलावरों से लोन वुल्फ अटैक करने को कहा है। लोन वुल्फ अटैक को सिर्फ एक हमलावर अंजाम देता है।

न्यूयॉर्क की गवर्नर ने कहा- कोई गंभीर खतरा नहीं

न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचल ने कहा- वर्ल्ड कप को लेकर कोई गंभीर खतरा नहीं है। हालांकि, उन्होंने पुलिस डिपार्टमेंट से सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने को कहा है। प्रशासन लगातार हर तरह की स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

आईएसआईएस खुरासान सबसे पहले 2014 में पूर्वी अफगानिस्तान में एक्टिव हुआ

आईएसआईएस खुरासान का नाम उत्तरपूर्वी ईरान, दक्षिणी तुर्कमेनिस्तान और उत्तरी अफगानिस्तान में आने वाले क्षेत्र के नाम पर रखा गया है। यह संगठन सबसे पहले 2014 में पूर्वी अफगानिस्तान में एक्टिव हुआ। तब रूस के उग्रवादी समूहों के कई लड़ाके इसमें शामिल होने सीरिया पहुंच गए। इस साल मार्च में रूस की राजधानी मॉस्को में क्रोकस सिटी हॉल पर एक हमला हुआ था, जिसमें 143 लोग मारे गए थे। हमला 22 मार्च को हुआ था। इसकी जिम्मेदारी आईएसआईएस खुरासान ने ली थी।

श्रीलंका पर हो चुका है हमला

2009 में श्रीलंका 3 टेस्ट और 5 वनडे मैच खेलने पाकिस्तान गई थी। 3 मार्च 2009 को दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन गद्दाफी स्टेडियम के पास लाहौर में श्रीलंका की बस पर आतंकी हमला हुआ था। 12 आतंकियों ने टीम पर फायरिंग कर दी थी। हमले में टीम के कप्तान महेला जयवर्धने, कुमार संगाकारा समेत 7 खिलाड़ी घायल हो गए थे।

भारत और पाकिस्तान के सभी मैच अमेरिका में होंगे

टी-20 वर्ल्ड कप में 5-5 टीमों को 4 ग्रुप में बांटा गया। भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है। इसी ग्रुप में आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका भी हैं। भारत और पाकिस्तान अपने सभी मैच अमेरिका में ही खेलेंगे। भारत के शुरुआती 3 मैच न्यूयॉर्क और चौथा मैच फ्लोरिडा में होगा। टीम अपना पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड, दूसरा मुकाबला 9 जून को पाकिस्तान, 12 जून को तीसरा मुकाबला अमेरिका और 15 जून को चौथा मुकाबला कनाडा से खेलेगी।

भारत वॉर्म-अप मैच भी न्यूयॉर्क में ही खेलेगा

भारत वर्ल्ड कप में शुरुआती 3 ग्रुप स्टेज मैच न्यूयॉर्क में खेलेगा। वहीं 1 जून को बांग्लादेश के खिलाफ वॉर्म-अप मैच भी यहीं खेलना है। भारत अमेरिका पहुंचा और उसने प्रैक्टिस शुरू कर दी है।

अमेरिका में पहली बार होगा आईसीसी टूर्नामेंट

अमेरिका को पहली बार ही किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है। 2028 के ओलिंपिक गेम्स भी अमेरिका में ही होंगे, जिसमें क्रिकेट भी शामिल किया गया है। इस इवेंट को देखते हुए आईसीसी ने अमेरिका में टी-20 वर्ल्ड कप कराने को प्राथमिकता दी। अमेरिका के साथ वेस्टइंडीज में भी टी-20 वर्ल्ड कप होगा, यहां 2010 का टूर्नामेंट भी खेला गया था।

भारतीय पुरुष टीम ने शूटआउट में जर्मनी को हराया, महिला टीम ने ऑरेंज रूड से ड्रॉ खेला

ब्रेडा (नीदरलैंड) ।
भारत ने जूनियर हॉकी टीमों के यूरोप दौरे का समापन जर्मनी पर शूट आउट में पुरुष टीम की जीत के साथ किया जबकि महिला टीम ने ऑरेंज रूड क्लब के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। ब्रेडेस हॉकी वेरेनिगिंग पुश में नियमित समय में मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद पुरुष टीम ने पेनल्टी में 3-1 से जीत हासिल की। गुरजोत सिंह, दिलराज सिंह और मनमीत सिंह ने शूट आउट में गोल किए। इससे पहले नियमित समय में मुकेश टोप्पो ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर रिबाउंड पर गोल किया।

पेनल्टी शूटआउट में जीता भारत

भारतीय जूनियर पुरुष टीम नियमित समय में जीत की ओर बढ़ रही थी, लेकिन मैच खत्म होने से चार मिनट पहले जर्मनी ने बराबरी हासिल कर ली जिससे मैच में रोमांच बढ़ गया और नतीजे के लिए शूट आउट का सहारा लेना पड़ा। यह जूनियर पुरुष टीम की दौरे के पांच मैचों में दूसरी जीत है। टीम ने 20 मई को एंटवर्प में अपने शुरुआती मैच में बेल्जियम को पेनल्टी के जरिए 4-2 (2-2) से हराया था। टीम को तीन हार का सामना भी करना पड़ा। टीम को बेल्जियम (2-3), ब्रेडेस हॉकी वेरेनिगिंग पुश (4-5) और जर्मनी (2-3) के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।

महिला हॉकी में क्या हुआ

महिला टीम ने ऑरेंज रूड के खिलाफ ड्रॉ खेलने के अलावा दो जीत दर्ज की जबकि उसे दो हार का भी सामना करना पड़ा। ऑरेंज रूड के खिलाफ संजना होरो (18वें मिनट) ने भारत को बढ़त दिलाई। ऑरेंज रूड को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने दोनों हमलों को नाकाम कर दिया जिससे टीम मध्यांतर तक 1-0 से आगे थी। ऑरेंज रूड ने तीसरे क्वार्टर में तीन पेनल्टी कॉर्नर पर दो बार गोल करके 2-1 की बढ़त बनाई।

टी20 में सबसे अधिक बार शून्य पर आउट हुए हैं आयरलैंड के स्टर्लिंग

मुम्बई ।
टी20 प्रारुप में अब तक 9 बल्लेबाज 10 से अधिक बार शून्य पर आउट हुए हैं। टी20 में सबसे अधिक 13 बार 0 पर आउट होने वाले खिलाड़ी आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग हैं। वह अब तक अपने करियर के 142 टी20 मैचों में 13 बार अपना खाता भी नहीं खोल पाये। उन्होंने 11 बार नाबाद रहते हुए 3589 रन बनाए हैं। वहीं टी20 में अब तक चार बल्लेबाज 12 बार शून्य पर आउट हुए हैं। इसमें भारत के रोहित शर्मा और बांग्लादेश के सौम्य सरकार भी शामिल हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज सौम्य सरकार ने अब तक 83 टी20 मैचों की 82 पारियों में चार बार नाबाद रहकर 1792 रन बनाए हैं जिसमें 12 अर्धशतक हैं। रोहित शर्मा ने अब तक 151 टी20 के अलावा 8 टी20 विश्वकप खेल हैं। रोहित ने 151 टी20 की 143 पारियों में 18 बार नाबाद रहते हुए 3974 रन बनाए हैं जिसमें 5 शतक भी शामिल हैं। रोहित के अलावा टी20 में पांच शतक ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल ने ही लगाए हैं। रोहित 12 बार 0 पर भी आउट हुए हैं। रोहित और सौम्य के अलावा रवांडा के केविन इराकोजे और आयरलैंड के केविन ओब्रायन भी 12 बार 0 पर आउट हो चुके हैं। इसके अलावा 12 बार 0 पर आउट होने वाले दो अन्य बल्लेबाजों में रवांडा के इराकोजे ने 72 टी20 मैचों की 55 पारियों में से 9 में नाबाद रहते हुए 478 रन बनाए हैं। वहीं ओब्रायन ने साल 2006 से 2021 के बीच उन्होंने 110 टी20 खेलते हुए एक शतक और पांच अर्धशतक की सहायता से 1973 रन बनाये हैं। इसके अलावा चार बल्लेबाज अब तक 11 बार 0 पर आउट हुए हैं। इसमें घाना के डेनियल एनेफी, रवांडा के जेप्पी बिमेनयिमाना और ओर्चिंडे तुयिसेंगे के अलावा जिम्बाब्वे के रेगिस चकाबवा भी शामिल हैं। इसके अलावा चार बल्लेबाजह 10 बार शून्य पर आउट हो चुके हैं।

क्लासिकल चेस में भारत के प्रज्ञानंद की कार्लसन पर पहली जीत, तीसरे राउंड के बाद शीर्ष पर पहुंचे

नई दिल्ली ।
भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर एक मैग्नस कार्लसन पर अपनी पहली क्लासिकल गेम जीत दर्ज की। उन्होंने इस जीत के साथ नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में बढ़त भी हासिल कर ली है। 18 वर्षीय प्रज्ञानंद ने कई बार रैपिड शतरंजा या फिर प्रदर्शनी मैचों में कार्लसन को हराया है, लेकिन क्लासिकल गेम में यह कार्लसन पर उनकी पहली जीत रही। उन्होंने तीन राउंड के बाद 5.5 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

क्या होता है क्लासिकल चेस

प्रज्ञानंद सफेद मोहरों से खेल रहे थे और उनकी जीत ने कार्लसन को अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंचा दिया। क्लासिकल चेस, जिसे धीमी शतरंज के रूप में भी जाना जाता है, खिलाड़ियों को अपनी चाल चलने के लिए काफी समय देता है, आमतौर पर खिलाड़ी इसमें कम से कम एक घंटे का समय भी ले सकता है। कार्लसन और प्रज्ञानंद ने इस प्रारूप में अपने पिछले तीन मुकाबले ड्रॉ खेले थे।

विश्व चैंपियन लिरेन को मिली शिकस्त

इसके अलावा विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हरा दिया। हार के बाद लिरेन छह-खिलाड़ियों के इस टूर्नामेंट में सबसे नीचे आ गए हैं। इस साल के अंत में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में लिरेन का सामना भारत के डी गुकेश से होना है। लिरेन के खिलाफ प्रज्ञानंद ने इसी टूर्नामेंट में ड्रॉ खेला था।

प्रज्ञानंद की बहन वैशाली भी शीर्ष पर

वहीं, अमेरिका के हिकारू नाकामुरा ने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ अपना आर्मागेडन गेम जीतकर आधा अंक अर्जित किया और तालिका में तीसरे स्थान पर आ गए। चौथे दौर में नाकामुरा का मुकाबला प्रज्ञानंद से होगा। प्रज्ञानंद की बहन आर वैशाली भी नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में महिलाओं की क्लासिकल चेज प्रतियोगिता में 5.5 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। उन्होंने अन्ना मुज्यचुक के खिलाफ अपनी बाजी ड्रॉ कराई।

संदीप लामिछाने को टी20 विश्व कप 2024 के लिए नहीं मिला वीजा नेपाल में जमकर हुआ हंगामा; सड़कों पर किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली।
नेपाल क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर संदीप लामिछाने का अमेरिकी दूतावास ने उन्हें आगामी टी20 विश्व कप के लिए वीजा देने से इनकार कर दिया है। वह दुष्कर्म के एक मामले में बरी होने के बाद टी20 वर्ल्ड कप 2024 में वापसी की उम्मीद कर रहे थे। संदीप को वीजा देने से इनकार के बाद नेपाल के लोग नाराज है और वह विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। संदीप लामिछाने को वीजा देने की मांग करते हुए लोग सकड़ों पर उतर आए है। क्रिकनेपाल. कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, लोग पीएम के आवास के बाहर संदीप लामिछाने को वीजा देने की डिमांड कर रहे है।

संदीप लामिछाने को वीजा नहीं मिलने पर नेपाल के लोग हुए नाराज - दरअसल, नेपाल टीम के लेग स्पिनर संदीप लामिछाने को अमेरिका द्वारा वीजा नहीं दिया गया, क्योंकि पिछले साल 17 साल की लड़की ने काठमांडू के एक पुलिस थाने में संदीप के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। उस लड़की ने उन पर दुष्कर्म का आरोम लगाया था। इस मामले में संदीप को काठमांडू कोर्ड की एक अदालत ने 8 साल की सजा सुनाई थी, जिसकी संदीप ने हाई कोर्ट में चुनौती दी और उन्हें सफलता मिल गई। हाई कोर्ट ने संदीप को इस मामले में बरी कर दिया था। इसके बाद उनके टी20 विश्व कप 2024 खेलने की पूरी उम्मीदें थी, लेकिन अमेरिका ने उन्हें वीजा देने से इनकार कर दिया है। अमेरिका द्वारा संदीप को वीजा नहीं मिलने से नेपाल के लोग काफी नाराज है और वह सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे है। लामिछाने को वीजा नहीं देने के बाद नेपाल के लोग विरोध प्रदर्शन करने लगे। सड़कों पर लोग लामिछाने के लिए आवाज उठाते हुए नजर आए।

नेपाल का टी20 विश्व कप में नीदरलैंड्स से होगी पहली भिड़त - टी20 विश्व कप से पहले नेपाल की टीम अमेरिका पहुंच चुकी है, जहां संदीप लामिछाने की गैरमौजूदगी में उन्होंने वार्म-अप मैच कनाडा के खिलाफ खेला। 27 मई को खेले गए वार्म-अप मैच में नेपाल को हार का सामना करना पड़ा। वहीं, नेपाल की टीम अपना दूसरा वार्म-अप मैच यूएसए के खिलाफ खेलेगी। टी20 विश्व कप में नेपाल की टीम अपने अभियान 4 जून को नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच खेलकर करेगी।

आखिरी कुछ दिन मुश्किल हैं, करियर के अंतिम मुकाबले से पहले भावुक हुए सुनील छेत्री, कही यह बात

नई दिल्ली । भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने जानकारी दी थी कि वह अपने करियर का अंतिम मुकाबला छह जून को कुवैत के खिलाफ खेलेंगे। अब दिग्गज ने टीम और साथी खिलाड़ियों को लेकर बात की। इस दौरान वह भावुक हो गए। छेत्री ने बताया कि करियर के अंतिम मुकाबले से पहले दिन काटना उनके लिए काफी मुश्किल हो रहा है। भारतीय टीम 2026 फीफा विश्व कप क्वालिफायर मैच खेलने के लिए कुवैत पहुंच चुकी है। करिश्मा कप्तान छेत्री का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। इस मैच से पहले उन्होंने कहा, ये आखिरी कुछ दिन है जो मेरे लिये दुविधा से भरे हैं। अब राष्ट्रीय टीम में मेरे कुछ ही दिन रह गए हैं। समझ नहीं आता कि हर दिन, हर अभ्यास सत्र की गिनती करूं या बिना इस बारे में सोचे खेलूं। सुनील ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत साल 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ की थी। वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल (94) करने वाले चौथे खिलाड़ी है। वहीं, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अली डेई और लियोनेल मेसी के बाद सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्हें साल 2011 में अर्जुन पुरस्कार और 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। छेत्री ने आगे कहा, मैंने अपने सत्र गिनने का फैसला किया है लेकिन कृतज्ञता के भाव से। कोई चिंता नहीं है बल्कि मैं अपनी टीम और इस खेल के प्रति सदैव ऋणी रहूंगा।

कैसा हो जीवनसाथी

HARD TO RESIST

मारा स्वभाव हमेशा से चूजी रहा है। हमें जो भी अच्छा लगता है हम उसे अपना लेते हैं और जो हमें पसंद न हो उसे नकार भी देते हैं। यही बात नया रिश्ता कायम करने में भी लागू होता है। जरूरी नहीं कि किसी भी अच्छे दिखने वाले व्यक्ति को देखते ही आप उससे शादी के सपने देखने लग जाएं। शादी के लिए सिर्फ अच्छा दिखना ही काफी नहीं होता। जीवनसाथी चुनने के लिए महिलाएं गंभीर सोच-विचार के बाद ही फैसला लेती हैं। ऐसी ही कुछ सोच पुरुषों की भी होती है। क्या आपको पता है पुरुषों को कैसा जीवनसाथी पसंद आता है। पुरुष केवल खूबसूरत चेहरे या फिगर पर ही फिदा नहीं होते। आइए जानते हैं पुरुषों के मन की बात। पता करते हैं कि किस तरह की महिलाओं को पुरुष नकार नहीं सकते। स्नेही स्वभाव यदि आपका स्वभाव देखभाल करने की प्रवृत्ति का है तो फिर यह तय है कि आपको कोई भी ना नहीं कर सकता। पुरुष चाहते हैं कि उसका जीवनसाथी बिना किसी शर्त उससे प्यार करे। ऐसे पुरुष जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेते। ये चाहते हैं कि उनकी गर्लफ्रेंड या जीवनसाथी उन्हें हमेशा उत्साहित करती रहें। स्नेही स्वभाव की महिलाएं उन पुरुषों की पहली पसंद होती हैं जो जीवन के प्रति संवेदनशील होते हैं।

जिम्मेदार

जब कोई पुरुष शादी के लिए लड़की की खोज करता है तो उसका पहली प्राथमिकता जिम्मेदारी उठा सकने वाली लड़की होती है। वो चाहते हैं कि उनकी जीवनसाथी में तमाम घरेलू गुण मौजूद हों। पति के साथ मिलकर परिवार को चलाएं।

खाना पकाने में माहिर

भारत में एक मशहूर कहावत है कि पुरुषों के दिल का रास्ता उनके पेट से होकर जाता है। इसलिए जरूरी है कि आपमें बढ़िया खाना बनाने के सारे गुण हों। यदि आपको उनके मुताबिक, पसंदीदा भोजन बनाना आता हो तो बात बन जाए। आप बेस्ट कुक हैं, तो उनकी दुनिया ही पूरी हो जाती है।

पैसे का मोल समझने वाली

यदि आप घर के हिसाब-किताब का प्रबंधन अच्छा है तो फिर कोई भी पुरुष आपको पसंद कर सकता है। पुरुष जब कोई भविष्य की योजना तैयार करते हैं तो उनकी उम्मीद होती है कि उनका जीवनसाथी इस सपने को साकार करने में उनकी मदद करे।

समझदारी

पुरुषों केवल सुंदर चेहरा या फिगर ही नहीं चाहते बल्कि वे चाहते हैं कि उनका जीवनसाथी समझदार भी हो। वो ऐसा जीवनसाथी चाहते हैं जिससे अपनी सारी बाते शेयर कर सकें। वे अपने मानसिक स्तर पर अपने बराबर की महिला को प्राथमिकता देते हैं।

बेहतर दोस्त

पुरुषों की अपेक्षा होती है कि उनकी जीवनसाथी उनकी अच्छी दोस्त हों। यदि आप उनकी बेहतर दोस्त बन सकें तो आपका साथ आजीवन बना रहेगा। आप शादी के बाद भी एक-दूसरे को भलीभांति समझ-बूझ कर बेहतर दोस्त बन सकते हैं।

सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुतः यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी।

शहर की पहचान थी ज़री

एक वक्त था जब ज़री वाले बटुए भोपाल की पहचान हुआ करते थे। नवाब और रजवाड़े इन बटुओं को शान से अपने हाथ में लिए घूमा करते थे। इसके साथ ही ज़री और मोतियों से सजी जूतियां भी बेगमों के साथ-साथ आम महिलाओं को नवाबी दौर से जोड़ती थीं। नवाबी दौर में कभी भोपाल की आन, बान, शान और पहचान रही 'ज़री' ने अब अपनी चमक खो दी लगती है। एक जमाना था जब 'ज़री' नवाबों, रजवाड़ों, जमीदारों और हकिमों के महलों की ज़ीनत हुआ करती थी। उस दौर के अमीर और खवातीनें जब ज़री के भारी दुपट्टे, मोतियों और सलमें सितारे टर्की जूतियों और सोने-चांदी के तारों से सजे बटुओं को लेकर निकलते थे तो देखने वाले अश-अश कर उठते।

लेकिन अब न वो दौर रहा न वो लोग न कारीगर और न ही ज़री के कद्रदान, लिहाजा कभी भोपाल का पर्याय रहा ज़री उद्योग इन दिनों आखरी सांसे गिन रहा है। भोपाल में ज़री के काम का इतिहास तकरीबन 130 साल पुराना है। तत्कालीन नवाब शाहजां बेगम (1868-1901) ने भोपाल में ज़री का काम शुरू करवाया था। उन्होंने लखनऊ, कानपुर, दिल्ली से ज़री के बेहतरीन कारीगर भोपाल बुलवाए और परी बाजार के एक ट्रेनिंग सेंटर खोला। तब परी बाजार सिर्फ औरतों के लिए औरतों द्वारा ही चलाया जाता था। ज़री के संदर्भ में यदि भोपाल की संस्कृति समझने की कोशिश करें तो पाएंगे कि यहां औरतें मर्दों पर हुक्म चलाती रही हैं उस वक्त के मर्द निहायत गैर जिम्मेदार रहे और मछली पकड़ने के अलावा कोई काम नहीं करते थे ऐसी स्थिति में बेकारी दूर करने और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के उद्देश्य से ही नवाब शाहजहां बेगम के ज़री उद्योग को बढ़ावा दिया। आपने ज़री के निर्यात पर भी बल दिया। (1901-26)नवाब सुल्तान जहां बेगम की भी ज़री के काम की बड़ी कद्रदां थीं। उन्होंने भी ज़री उद्योग को संगठित करने के काफी प्रयास किए। बुजुर्ग ज़री कारीगरों को आप ज़री के देती थी विधवाओं के कल्याण के लिए सुल्तान जहां बेगम ने 1905 में आसिफ टेक्निकल स्कूल की स्थापना की थी। सुल्तान जहां के दौर (1901-26) में ही ज़री उद्योग अपने ऊरूज में पहुंचा। बेगम साबि ने ही ज़री उद्योग को बाजार उपलब्ध करवाया हालांकि तब भी चौक बाजार में एक-सी-जरीवाला (1859) और नेशनल ज़री हाउस (1880) की दुकानें खुल चुकी थीं। इसके बाद के वर्षों में जय नारायण कन्हैयालाल, मुल्ला गुलाम बक्श गोते वाला, मुख्तार जनरल स्टोर, सूफी नबी बक्श हाजी कादर भाई (इब्राहिमपुरा)आदि। ज़री के बड़े और प्रतिष्ठित व्यापारियों में से थे इनसे अब केवल एस-सी-जरीवाला और जयनारायण कन्हैयालाल की दुकानें ही वजूद में हैं। दरअसल ज़री का काम सबसे पहले बटुओं पर शुरू हुआ।

उन दिनों रईसों में पान, गुटका, सुपारी आदि खाने का चलन था। सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुतः यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी। सत्तर के दशक में सोना-चांदी बहुत महंगा हो गया, कलखखा ज़री का स्थान मोतियों, कला वस्तु ने ले लिया बटुओं से शुरू होकर ज़री साड़ी, कुर्ता, जैकेट, टीकोजी, पर्दा, रूमाल, चप्पल आदि की शान बन गई। लेकिन भोपाल की पहचान ज़री के बटुओं की वजह से ही बनी। भोपाल का ज़री बटुआ उद्योग भी उतना ही मशहूर है जितना कि अलीगढ़ का ताला उद्योग, बनारस का साड़ी उद्योग। आज भी अधिकांश विदेशी पर्यटक भोपाली पहचान का प्रतीक ज़री बटुआ खरीदना नहीं भूलते। दुर्भाग्य से इन अब ज़री के काम का चलन कम होने लगा है। पुश्तैनी कारीगर भी यह काम छोड़ने को मजबूर होते जा रही हैं। भोपाल के चांदबढ़, जहांगीराबाद, इतवारा, शाहजहांनाबाद, मोती मस्जिद, हमीदिया रोड आदि क्षेत्रों में अनेक मुस्लिम परिवार इस उद्योग से जुड़े हुए हैं। बच्चों से लेकर बूढ़ों तक अपनी इस विरासत को आज जैसा-तैसा बचाए हुए हैं।

किसी व्यक्ति की कुंडली सिर्फ उसके जीवन की ग्रह दशा ही नहीं कहती, बल्कि उसके प्रत्येक घर में ईश्वर विराजमान होते हैं। या यूं कहें कि कुंडली देखकर पता लगाया जा सकता है कि आप किसकी आराधना करें, जो फलित हो...

कुंडली में ईश बसे...

ज्योतिष शास्त्र में किसी जातक की कुंडली से उसके इष्ट देव को जानने के अलग-अलग सूत्र व सिद्धांत हैं, जिन्हें समय-समय पर ऋषि- मुनियों ने तैयार किए हैं। ऐसे ही एक ऋषि और जेमिनी सूत्र के रचनाकार महर्षि जेमिनी ने इष्टदेव के निर्धारण में आत्मकारक ग्रह की भूमिका को सबसे अधिक महत्वपूर्ण बताया है। कुंडली में लग्नेश, लग्न ग्रह के स्वामी ग्रह जो सबसे अधिक अंश में हो, चाहे किसी भी राशि में हो, आत्मकारक ग्रह होता है। इसी ग्रह को आधार मानकर जातक को अपना इष्ट चुनने का संकेत मिलता है। जेमिनी ने इष्ट निर्धारण के लिए देव चुनने में निम्न बातों का ध्यान रखने की भी सलाह दी है-

- आत्मकारक ग्रह के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व उनकी आराधना करनी चाहिए।
- दूसरे आधारों के मुताबिक, पंचम भाव, पंचमेश व पंचम में स्थित बलि ग्रह या ग्रहों के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व अराधना करें।
- त्रिकोणेश में सर्वाधिक बलि ग्रह के अनुसार भी इष्टदेव का चयन कर सकते हैं और उसी अनुसार उनकी आराधना करें।

इस प्रकार अपने इष्टदेव का चयन करने के उपरांत ही उनकी पूजा-आराधना करनी चाहिए। आप इन्हें किसी भी परिस्थिति में न त्यागें। अपने इष्टदेव का निर्धारण कर यदि आप नियमित पूजन करते हैं, तो आपको आपने पूर्वजन्म कृत पापों से मुक्ति भी पाने में मदद मिलेगी।

ग्रह अनुसार इष्ट निर्धारण

सूर्य : राम व विष्णु
चंद्र : शिव, पार्वती, कृष्ण
मंगल : हनुमान, कार्तिकेय, स्कंद, नरसिंग
बुध : गणेश, दुर्गा, भगवान बुद्ध
बृहस्पति : विष्णु, ब्रह्मा, वामन
शुक्र : परशुराम, लक्ष्मी
शनि : भैरव, यम, कुर्म, हनुमान
राहु : सरस्वती, शेषनाग
केतु : गणेश व मत्स्य

प्रकृति में छिपा स्वास्थ्य

स्वास्थ्य को जीवन की एक बहुत महत्वपूर्ण निधि माना जाता है। स्वास्थ्य एवं रोग के विषय में प्राकृतिक चिकित्सा के अपने कुछ मौलिक सिद्धांत हैं, जिसके उल्लंघन पर तमाम रोग होते हैं। हमारे आस पास यानी की हमारी प्राकृति में ही इतनी अनमोल चीजें छिपी हुई हैं कि अगर हम उनको अपने सेहत को सुधारने के लिए प्रयोग करेगें तो हम हमेशा ही मुस्कुराता हुआ जीवन जीएगें। चलिए जानते हैं कि प्रकृति में ऐसी कौन सी चीजे हैं जिनसे हमें लाभ मिल सकता है।

संतुलित खान-पान

स्वस्थ रहने के इन तरीको को में सबसे पहला स्थान संतुलित खान-पान का है। ताजे फल और हरी पत्तेदार सब्जियां व अंकुरित अन्न इस दृष्टि से सर्वाधिक उपयुक्त है। ये आहार स्वास्थ्य को उन्नत करने के साथ-साथ रोगों से दूर रखते हैं।

मिट्टी से उपचार

शरीर पर तरह तरह की मिट्टियों का लेप लगाने से लाभ होता है। हमारे शरीर को शीतलता देने के लिए मिट्टी का प्रयोग किया जाता है। यह शरीर के दूषित पदार्थ को घोल कर एवं अवशोषित कर पूरे शरीर से बाहर निकाल देती है।

उपवास भी है फायदेमंद

उपवास को प्राचीन समय से स्वस्थ्य रहने का उत्तम साधन माना जाता है। उपवास पाचन प्रणाली को विश्राम देने की प्रक्रिया में खर्च होने वाली ऊर्जा, शरीर से बीमारियों को बाहर निकालने में लग जाती है, यही उपवास का उद्देश्य भी है। अगर आपको स्वस्थ्य रहना है तो हफ्ते में एक दिन जरुर उपवास करें।

मालिश भी है जरूरी

मालिश भी स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है, इसका प्रयोग अंग-प्रत्यंगों को पुष्ट करने हुए शरीर के रक्त संचार को उन्नत करने में होता है। मालिश से शरीर निरोगी रहता है और स्फूर्ति बनी रहती है।

पानी से उपचार

स्वच्छ, ताजे एवं शीतल जल से अच्छी तरह से स्नान करना जल चिकित्सा का एक बढ़िया रूप है। इससे शरीर के सभी रंद्र खुल जाते हैं, यही नहीं शरीर में हल्कापन और स्फूर्ती भी आती है।

बनाएं अपनी होम लाइब्रेरी

कहते हैं किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। मगर, कॅरियर और पारिवारिक जिम्मेदारियों को संभालने में हम इस कदर व्यस्त हो जाते हैं कि किताबों से मिलने का समय ही नहीं मिलता। ऐसे में होम लाइब्रेरी एक बेहतर विकल्प हो सकता है। अपने घर में लाइब्रेरी सेट करने के लिए अपनाएं कुछ आसान टिप्स..

ऐसे करें लाइब्रेरी मैनेज

1. हमेशा किताबों को तिरछी करके रखें, ऐसा करने से किताबों को निकालने में आसानी होगी।
2. किताबों को कभी-भी फंसाकर न रखें, ऐसा करने से उनके कवर्स फटने की संभावना होती है।
3. बुकमार्क का प्रयोग करें। ऐसा करने से आपको किताबों के पन्ने फोल्ड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और किताबों की सुंदरता बनी रहेगी।
4. किताबों को उधार न दें। अगर आप अपने दोस्तों को किताबें देते भी हैं तो समय से उन्हें वापस ले लें। अगर ऐसा नहीं करते हैं तो आपका बुक्स कलेक्शन खराब हो जाएगा।
5. समय-समय पर किताबों की सफाई भी करें। सिर्फ बुक शेल्फ की सफाई करना काफी नहीं है, आप सप्ताह में एक बार किताबों को भी कपड़े से साफ करें।
6. लाइब्रेरी का वातावरण सुगंधित और साफ-सुथरा बनाए रखें। बारिश के मौसम में इस बात का खास ख्याल रखें कि किताबों में सीलन न लगे।
7. रीडिंग के समय अगर कोई मेहमान आ जाए तो उसे लाइब्रेरी में बुलाने की बजाय आप खुद दूसरे कमरे में उसे बिठाएं।

शांत हिस्से में बनाएं लाइब्रेरी

लाइब्रेरी घर के सबसे शांतिपूर्ण हिस्से में होनी चाहिए। कोशिश करें कि लाइब्रेरी हॉल से थोड़ी दूर हो, वरना वहां होती चहल-पहल से पढ़ाई में मुश्किल होगी। अगर आपके बच्चे छोटे हैं तो लाइब्रेरी को उनके रूम के पास भी न बनवाएं।

किताबों तक पहुंचना हो आसान

लाइब्रेरी की अलमारियां और शेल्फ ऐसी हों, जिससे किताबों को ढूंढने में मुसीबत न हो। जो किताबें काफी महंगी हैं, उन्हें कवर्ड अलमारी में रखें। बच्चों की पसंद की किताबों को ओपन शेल्फ में रखें, क्योंकि जल्दबाजी में वे अक्सर शेल्फ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा ऐसी किताबें जो आपको बहुत पसंद हैं, उन्हें ट्रांसपेरेंट कांच वाली अलमारी में रखें, ताकि उनके टाइटल साफ दिखाई दें और आप उन्हें आसानी से ढूंढ सकें।

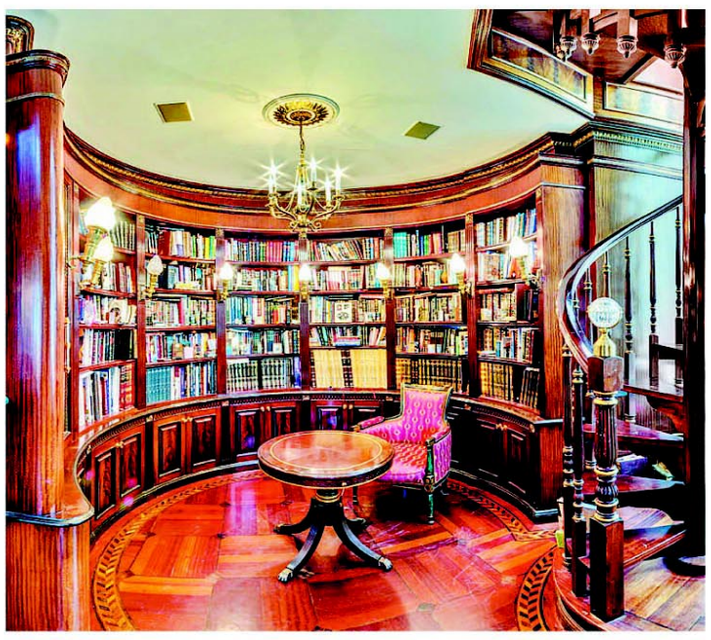

वास्तुः दिशा सही, सीढ़ी सही

सीढ़ियों ऐसी होनी चाहिए कि घर में रहने वाले व्यक्ति को पता ही न चले कि वह कब पहली सीढ़ी से चढ़कर ऊपर पहुंच गया। सीढ़ियां जैसी भी हों, जहां भी हों, उनका मकसद सिर्फ और सिर्फ ऊपर की मंजिल तक पहुंचाना होता है। घर की खूबसूरती में कई चांद लगाने वाली यह सीढ़ियां आज न जाने कितने डिजाइनों में उपलब्ध है, लेकिन अगर आपने इनसे जुड़े वास्तु सिद्धांतों पर गौर नहीं किया तो यह अपने होने के उद्देश्य से भटक भी सकती हैं।

वास्तु में भवन के अंदर और बाहर की सीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध है। वास्तु में इन्हें घर का न सिर्फ अहम हिस्सा माना गया है बल्कि इनके प्रभावों पर भी विस्तृत चर्चा मौजूद है। वास्तु अनुसार, घर में सीढ़ियों के लिए सर्वोत्तम दिशा दक्षिण, पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम है। अगर सीढ़ियां सही स्थान पर बनी हों, तो जीवन के बहुत से उतार-चढ़ाव व कठिनाइयों से बचा जा सकता है।

दिशा सीढ़ियों की

सीढ़ियों को अगर सही दिशा में न बनाया गया हो, तो यह एक गंभीर वास्तुदोष माना जाता है। इस दोष के कारण मनुष्य को अनावश्यक आर्थिक व निजी जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसका उचित उपाय तो सीढ़ियों का सही दिशा में स्थित होना ही है, किंतु यदि सीढ़ियां गलत दिशा में बनी हों और उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करना संभव न हो, तो बिना तोड़फोड़ के भी इस वास्तुदोष का निवारण किया जा सकता है। इसके लिए किसी कुशल वास्तु विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में स्टोन पिरामिड की स्थापना करनी पड़ती है।

इनका ध्यान रखें

सीढ़ियां कभी भी उत्तर-पूर्व में न बनवाएं। यह धननाश व व्यापार में हानि तथा कर्जों का कारण बन सकती हैं। इससे संतान पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। सीढ़ियां हमेशा विषम संख्या (3,5,7,9,11,13) में हों। सुविधाजनक, सुंदर व मजबूत सीढ़ियां अच्छे वास्तु की परिचायक हैं। सीढ़ियों के टूटे किनारे वास्तु-दोष उत्पन्न करते हैं। अतः इनकी मरम्मत समय रहते करवा लेनी चाहिए। घुमावदार सीढ़ियां अच्छी नहीं होती। सीढ़ियों के नीचे रसोई घर, पूजा घर, स्नान घर आदि न बनवाएं। हां, वहां स्टोर रूम बनाया जा सकता है। घर के केंद्र में (ब्रह्मस्थान में) सीढ़ियां होने से घर के सदस्यों को मानिसक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। सीढ़ियों की ऊंचाई व चौड़ाई इस आकार में हो कि बच्चा व बूढ़ा आसानी से बिना थके चढ़ सके। सीढ़ियों की ऊंचाई सात इंच तथा चौड़ाई दस इंच से एक फुट तक हो सकती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**